संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 55
पृष्ठ 8
गुरूवार
12 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लड़कों के वॉर्डरोब में होने चाहिए

विचार- मोदी का शर्मनाक बयान

खेल- हार्दिक पंड्या पंजाब किंग्स में शामिल

अरे अगर प्रदूषण हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा-योगी

भैया दूज पर युवाओं को तोहफा, 1,146 कनिष्ठ सहायकों को दिया नियुक्ति पत्र



लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को दिवाली के दौरान पटाखों पर रोक न लगाने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने बढ़ते प्रदूषण लेवल की चिंताओं के बावजूद लोगों को पटाखों के साथ त्योहार मनाने की इजाजत दी।जश्न के बारे में बात करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, ष्आप सभी लोगों ने अयोध्या का दीपोत्सव देखा होगा। आपको कैसा लगा। बढ़िया था न और दीपावली कैसी लगी। आप लोगों ने दीपावली मनाई और बहुत सारे लोग कह रहे हैं कि प्रदूषण हो गया और अरे हमने कहा कि प्रदूषण हो गया है तो समाप्त भी हो जाएगा। आप क्यों चिंता कर रहे हो। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, जिन लोगों ने अपने भ्रष्ट कारनामों से पूरे सिस्टम को प्रदूषित किया है, उनको तो कोई भी बोलता नहीं और पब्लिक एक दिन आतिशबाजी कर ले तो प्रदूषण हो गया। अरे अगर प्रदूषण हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा। अच्छा किया कि लोगों ने खूब धूम–धड़ाके के साथ दीपावली मनाई। हम लोगों ने भी कहा कि कोई प्रतिबंध नहीं लगाएंगे। मैं भी अयोध्या में आतिशबाजी के बीच में था। यानी जब गलत होता है तो उसको नहीं, लेकिन कोई पर्व और त्योहार में कोई खुशी मनाता है तो लोगों को तब प्रदूषण याद आने लगता है।ष्मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को भैया दूज और चित्रगुप्त पूजन की शुभकामनाएं दीं। साथ ही नियुक्ति पत्र पाने वाले अभ्यर्थियों को अग्रिम बधाई भी दी। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया से राजस्व विभाग के लिए नव–चयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति–पत्र के साथ ही मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत 4,300 लाभार्थियों को 215 करोड़ रूपये की सहायता राशि वितरित की। सीएम योगी ने कहा, अगर हम पूरी भर्ती प्रक्रिया को देखें, तो 15 अगस्त 2026 तक हम 950000 युवाओं को नियुक्ति पत्र दे चुके थे। मैंने घोषणा की थी कि अगले छह महीनों में, यानी 26 जनवरी तक हम 1 लाख और युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे। हर महीने औसतन हर पांचवें दिन एक बड़ा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम होगा और यह 26 जनवरी तक अनवरत चलता रहेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की नीयत साफ, नीति स्पष्ट और भर्ती आयोगों एवं बोर्डों की कार्यप्रणाली ईमानदार हो तो युवाओं को अपनी प्रतिभा के अनुरूप अवसर अपने ही राज्य में मिलता है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की अराजकता, भ्रष्टाचार, भाई–भतीजावाद और लूटतंत्र ने उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था। सीएम ने नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों से अपील की कि वे प्रशिक्षण पूरा कर अपने–अपने पटल पर कार्यभार संभालने के बाद दो बातों का विशेष ध्यान रखे, हर नागरिक के प्रति संवेदना और जीवन में सत्यनिष्ठा का भाव। सरकार ने उन्हें पारदर्शी व्यवस्था में अवसर दिया है, इसलिए उनसे भी अपेक्षा है कि वे आम नागरिक के प्रति ईमानदारी, संवेदनशीलता और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ष्जब प्रतिभा को सही मौके नहीं मिले, तो वह दूसरी जगहों पर चली गई। उत्तर प्रदेश के युवाओं ने देश और दुनिया के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन यूपी गरीब ही बना रहा, सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्हें अपने ही राज्य में ईमानदारी से नौकरी नहीं मिल सकी। भेदभाव बहुत ज्यादा था, राज्य के भीतर एक सिंडिकेट काम करता था, जिसका पूरी भर्ती प्रक्रिया पर पूरा कंट्रोल था। 2017 से पहले, प्रशासन और भर्ती प्रक्रिया में मुन्ना भाई स्टाइल के लोग जमे हुए थे। परीक्षा कोई और देता था, जबकि नौकरी किसी और को मिल जाती थी। खुद प्रशासन ही इन गलत कामों को अंजाम दे रहा था। अगर आप कोर्ट जाते, तो वहां से स्टे ऑर्डर आ जाता। इस बीच, इन गलत कामों के लिए जिम्मेदार लोग अवैध कमाई करके उसे विदेशी बैंक खातों में जमा कर देते थे। यूपी के युवाओं को हर तरफ से धोखा दिया जा रहा था।

नोएडा से ग्रेटर नोएडा तक मेट्रो विस्तार को मंजूरी

- **दिल्ली में बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय**
- **कैबिनेट ने दी 77,101 करोड़ के पैकेज को हरी झंडी**



नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार, 11 नवंबर को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। सरकार ने नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही नयी दिल्ली के ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक परिसर में श्युगे युगीन भारत संग्रहालयश विकसित करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिली है। इन दोनों परियोजनाओं के अलावा कृषि और सूक्ष्म एवं छोटे उद्योगों को वित्तीय सहायता देने के लिए भी बड़े बजट का प्रावधान किया गया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न क्षेत्रों के लिए कुल 77,101 करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने नोएडा के सेक्टर–51 से ग्रेटर नोएडा के सेक्टर–4 तक मेट्रो रेल परियोजना के लिए 2,390 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस विस्तार का उद्देश्य दोनों शहरों के बीच सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाना है। इससे नोएडा और ग्रेटर नोएडा के आवासीय, औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में आने–जाने वाले लोगों को सुविधा मिलने की उम्मीद है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से सड़क यातायात पर दबाव कम करने और यात्रियों को तेज एवं सुगम परिवहन विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार ने नयी दिल्ली में दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय विकसित करने की योजना को भी मंजूरी दी है। श्युगे युगीन भारत संग्रहालयश ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की इमारतों में बनाया जाएगा। इसके विकास पर 3,230 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस संग्रहालय में भारत की सभ्यतागत यात्रा, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश की ऐतिहासिक धरोहर को आधुनिक संग्रहालय के रूप में संरक्षित करना और आम लोगों के लिए उसे अधिक सुलभ बनाना है।

बेंगलुरु पुलिस की कार्रवाई, नशीले पदार्थों की तस्करी में 34 गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े कई मामलों में दो विदेशी नागरिकों समेत 34 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 6.30 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ और अन्य सामान बरामद किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुखबिरों से हेब्बल, कोरमंगला, डी. जे. हल्ली, महालक्ष्मीपुरम, यशवंतपुर, अदुगोडी, हेन्नूर, गोविंदपुरा, बेगुर, हेब्बागोडी और बांडेपाल्या पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में मादक पदार्थों की बिक्री की सूचना मिली थी। अधिकारियों ने कहा कि इसके बाद अलग–अलग तारीखों पर छापेमारी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार लोगों में दो विदेशी नागरिक, अन्य राज्यों के नौ निवासी और 23 स्थानीय लोग शामिल हैं। इस संबंध में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वे विदेशों, अन्य राज्यों और कर्नाटक के भीतर अज्ञात लोगों से सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदते थे और आसानी से पैसा कमाने के लिए उन्हें आम लोगों तथा कॉलेज के छात्रों को ऊंची कीमत पर बेचते थे।

मौजूदा विदेश नीति में नैतिकता और दूरदृष्टि का अभाव : सलमान खुर्शीद

हैदराबाद, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने बुधवार को कहा कि पार्टी को भाजपा–नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की विदेश नीति से कुछ स्पष्ट असहमतियां हैं और आरोप लगाया कि उसमें नैतिकता, मूल्यों और दूरदृष्टि का अभाव है। कांग्रेस के विदेश मामलों के विभाग प्रमुख खुर्शीद ने कहा कि 13 और 14 नवंबर को हैदराबाद में आयोजित होने वाले 'भारत समिट' का उद्देश्य वैश्विक संबंधों को लेकर पार्टी के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करना है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, "बेशक, हाल के वर्षों में मौजूदा सरकार ने जिस विदेश नीति को आगे बढ़ाया है, उसे लेकर हमारी अपनी कुछ बेहद स्पष्ट असहमतियां हैं।"

एअर इंडिया की फ्लाइट को हाईजैक करने की धमकी

टॉयलेट के शीशे पर लिखा था संदेश, टेकऑफ से पहले मचा हड़कंप

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह एअर इंडिया की मुंबई जाने वाली फ्लाइट में हाईजैक की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान के



एक टॉयलेट के शीशे पर धमकी भरा संदेश लिखा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। बता जा रहा है कि विमान टेकऑफ की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान उसके एक टॉयलेट के शीशे पर लिखा धमकी भरा संदेश देखा गया। इसकी सूचना मिलते ही पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल यानी एटीसी को अलर्ट कर दिया। यह उड़ान सुबह 10:20 बजे रवाना होने वाली थी। कोलकाता हवाई अड्डे के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि उड़ान रवाना होने से ठीक पहले विमान के वॉशरूम में एक नोट मिला, जिसमें सुबह 11रू10 बजे विमान को हाईजैक करने की धमकी दी गई थी। जानकारी के मुताबिक, घटना के बाद विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। यहां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और एयरपोर्ट के विशेष सुरक्षा कर्मियों ने तलाशी अभियान शुरू किया। विमान के हर हिस्से की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियां यह सुनिश्चित करने में जुटी हैं कि विमान में कोई खतरा मौजूद न हो। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विमान के टॉयलेट के शीशे पर धमकी भरा संदेश किसने लिखा और इसके पीछे कौन है।

जांच के तहत एयरपोर्ट परिसर और विमान के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां विमान की तलाशी और धमकी के स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं।

हरदोई में भीषण सड़क हादसा: गंगा एक्सप्रेस-वे पर अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराई, दंपती समेत चार की मौत

हरदोई, संवाददाता। गंगा एक्सप्रेस–वे पर सांडी थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 317 पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। घटना में कार सवार दंपती और उनके दो बच्चों की मौत हो गई।

घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने मदद के लिए देर से पहुंचने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और यूपीडा के वाहन को पलट दिया। प्रयागराज के मुड़ैरा निवासी सौरभ उपाध्याय एक साफ्टवेयर कंपनी चलाते थे और नोएडा में परिवार समेत रहते थे। छठ पूजा के लिए वह पत्नी मेनका, दो बेटों शिवओम और व्योम उपाध्याय के साथ बुधवार को नोएडा से प्रयागराज जाने को निकले थे। गंगा एक्सप्रेस–वे पर कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। सौरभ और मेनका की मौके पर ही मौत हो गई। शिवओम ने सांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और व्योम ने मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया।

कुलगाम में आतंकी हमला: सीआरपीएफ दल पर बाइक सवार आतंकियों ने की फायरिंग

- **हमले में तीन जवान घायल, दो गंभीर**

जम्मू, एजेंसी। कश्मीर घाटी के कुलगाम जिले में आतंकवादियों ने सीआरपीएफ दल पर गोलीबारी की है। गोलीबारी में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आतंकी हमला गश्त के दौरान किया गया। हमले के बाद आतंकियों ने भागने की कोशिश की। कुलगाम क्विक रियेक्शन टीम



हमले की जगह पहुंच गई है। टीम ने पूरे इलाके को घेर लिया है।

सीआरपीएफ के अनुसार, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान आज दोपहर जम्मू–कश्मीर के कुलगाम जिले में एक नाके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों पर अज्ञात मोटरसाइकिल सवार हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में घायल हो गए। यह घटना दोपहर करीब 2.15 बजे हुई जब हमलावरों ने मौके से भागने से पहले सीआरपीएफ कर्मियों पर गोलियां चलाईं। घायल जवानों को इलाज के लिए अनंतनाग जिले के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। शुरुआती जानकारी में 46वीं बटालियन केसीआरपीएफ कैंप को निशाना बनाए जाने की बात सामने आई थी, हालांकि बाद में सीआरपीएफ ने नाके पर तैनात जवानों पर हमले की पुष्टि की। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की तलाश के लिए अभियान शुरू किया गया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। फिलहाल हमलावरों की पहचान और हमले के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

PRESS
हमेशा आपके साथ
शहर समता NEWS

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

यूपी बोर्ड के विद्यार्थियों को हाईकोर्ट से राहत, अब कभी भी सुधरवा सकेंगे माता-पिता के नाम की वर्तनी

प्रयागराज। हाईस्कूल और इंटर के अंकपत्रों में माता-पिता के नाम की वर्तनी गलत है तो सुधार के लिए तीन साल की समय सीमा बाधा नहीं बनेगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी बोर्ड के नियमों की व्याख्या करते हुए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के अंकपत्रों एवं प्रमाणपत्रों में माता-पिता के नाम की वर्तनी संबंधी त्रुटि सुधारने के लिए अब तीन साल की समय सीमा लागू नहीं होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि ऐसी लिपिकीय गलती सुधारने के लिए निर्धारित तीन साल के भीतर आवेदन करना अनिवार्य नहीं है। कोर्ट ने यूपी बोर्ड को याची की मां के नाम में सुधार कर एक माह के भीतर संशोधित शैक्षिक अभिलेख जारी करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन ने रामपुर निवासी नाहिदा बी की याचिका पर दिया है। याची ने अपने शैक्षिक अभिलेखों में मां का नाम 'खैर उन निशा' के स्थान पर श्मेहरुलनिशाश दर्ज कराने की मांग की थी। याची के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि 29 सितंबर 2026 के आदेश के अनुपालन में 12 अक्तूबर 2026 को अमर उजाला में सार्वजनिक सूचना प्रकाशित कराई गई थी। इसकी प्रति अनुपूरक हलफनामे के साथ कोर्ट में दाखिल की गई।

अधिवक्ता ने दलील दी कि हाईकोर्ट की खंडपीठ आनंद सिंह बनाम यूपी बोर्ड माध्यमिक शिक्षा एवं अन्य के मामले में स्पष्ट कर चुकी है कि अभ्यर्थी अथवा उसके माता-पिता के नाम में केवल वर्तनी संबंधी गलती होने पर सुधार के लिए तीन साल की समय सीमा का पालन अनिवार्य नहीं है। यूपी बोर्ड के विनियम सात की व्याख्या करते हुए खंडपीठ ने यह व्यवस्था दी थी। कोर्ट ने कहा कि याची की मां के नाम में हुई गलती अनजाने में हुई लिपिकीय त्रुटि या चूक है। ऐसे में आनंद सिंह के मामले में निर्धारित कानूनी सिद्धांत इस प्रकरण पर भी पूरी तरह लागू होता है। कोर्ट ने संबंधित प्राधिकारी को हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के अंकपत्रों एवं प्रमाणपत्रों में मां का नाम श्खैर उन निशाश के स्थान पर श्मेहरुलनिशाश दर्ज कर एक माह के भीतर संशोधित अभिलेख जारी करने का निर्देश दिया।

बेनियाबाग पार्क में निर्माण की जांच करेंगे विशेष आयुक्त, हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के बेनियाबाग पार्क में दुकानदारों को बसाने के लिए कराए जा रहे अस्थायी निर्माण की वास्तविक स्थिति जानने के लिए दो विशेष आयुक्त नियुक्त किए हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के बेनियाबाग पार्क में दुकानदारों को बसाने के लिए कराए जा रहे अस्थायी निर्माण की वास्तविक स्थिति जानने के लिए दो विशेष आयुक्त नियुक्त किए हैं। कोर्ट ने उन्हें मौके का निरीक्षण कर यह पता लगाने का निर्देश दिया है कि निर्माण पार्क के भीतर हो रहा है या उससे सटी खाली जमीन पर। यह आदेश न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल ने मोहम्मद जोहाद की अवमानना याचिका पर दिया है।

याची की ओर से कहा गया कि हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 11 मई 2026 को आदेश दिया था कि प्रभावित दुकानदारों को नए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण पूरा होने तक वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए। इसके बावजूद आदेश का पूरी तरह पालन नहीं किया गया। याची ने तस्वीरें पेश कर आरोप लगाया कि बेनियाबाग पार्क की चारदीवारी के भीतर दुकानों के लिए निर्माण कराया जा रहा है। वहीं, वाराणसी नगर निगम की ओर से कहा गया कि बेनियाबाग पार्क वास्तव में खुला स्थान है और वहां अनुपयोगी जमीन पर अस्थायी निर्माण कराया जा रहा है। दोनों पक्षों की दलीलों में विरोधाभास देखते हुए कोर्ट ने स्वतंत्र जांच कराने का निर्णय लिया। कोर्ट ने दो अधिवक्ताओं को विशेष आयुक्त नियुक्त किया है। उन्हें 21 नवंबर को सुबह 11 बजे निरीक्षण कर एक सप्ताह में संयुक्त रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल करनी होगी। वाराणसी के पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी को निरीक्षण में सहयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 30 नवंबर को होगी।

जेलों में क्षमता से अधिक कैदी होने के मामले में कोर्ट ने जेल डीजी से मांगा हलफनामा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों को रखे जाने पर गंभीर चिंता जताते हुए जेल प्रशासन एवं सुधार सेवाएं के महानिदेशक (डीजी) से विस्तृत हलफनामा मांगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों को रखे जाने पर गंभीर चिंता जताते हुए जेल प्रशासन एवं सुधार सेवाएं के महानिदेशक (डीजी) से विस्तृत हलफनामा मांगा है। कोर्ट ने एक महीने के भीतर जेलों में मौजूदा भीड़भाड़ की स्थिति और इसे दूर करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का पूरा ब्योरा देने का निर्देश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने जेलों में भीड़भाड़ को लेकर 2018 में स्वतरू कायम जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट को बताया गया कि प्रदेश की जेलों की कुल क्षमता 76,162 कैदियों की है, जबकि इनमें 80,326 कैदी बंद हैं।

कोर्ट ने कहा कि प्रस्तुत हलफनामे में विचाराधीन कैदियों, सजायाफ्ता बंदियों, महिलाओं और बच्चों का अलग-अलग ब्योरा नहीं दिया गया है। साथ ही छह नई जेलों के निर्माण और नए बैरकों की स्थिति की जानकारी भी अधूरी है। कोर्ट ने डीजी को तालिका के रूप में विस्तृत जानकारी देने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई एक दिसंबर को होगी।

2004 में अधिग्रहीत जमीन का 2014 तक अवार्ड नहीं हुआ तो नए कानून से तय होगा मुआवजाः हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि 2004 में अधिग्रहीत जमीन का एक जनवरी 2014 तक अवार्ड घोषित नहीं हुआ तो मुआवजे का निर्धारण नए भूमि अधिग्रहण कानून-2013 के तहत किया जाएगा। कोर्ट ने राज्य सरकार को मुआवजे का नए सिरे से निर्धारण कर निर्धारित समय में भुगतान करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह की खंडपीठ ने दिया है। सहारनपुर निवासी दिलशाद अली और पांच अन्य की ओर से दाखिल की गई थी। याचियों ने उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद की ओर से दिल्ली रोड भूमि विकास एवं गृहस्थान योजना-10 के तहत उनकी जमीन के अधिग्रहण को चुनौती दी थी। उनका कहना था कि सहारनपुर के मावी खुर्द गांव स्थित उनकी जमीन के अधिग्रहण के लिए जून 2004 को उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद अधिनियम की धारा 28 के तहत अधिसूचना जारी की गई थी। इसके बावजूद लंबे समय तक भूमि अधिग्रहण का अवार्ड घोषित नहीं किया गया। याचियों ने मुआवजे का निर्धारण 2013 के नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत करने की मांग की। उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद की ओर से कहा गया कि मुआवजे की गणना 12 जून 2004 की अधिसूचना को आधार मानकर पहले ही की जा चुकी है। इसके लिए वित्तीय स्वीकृति भी मिल गई है। अब केवल

संगमनगरी में दौड़ेगी मेट्रो, 12 हजार करोड़ की परियोजना की डीपीआर शासन को भेजी

प्रयागराज। संगम नगरी में मेट्रो दौड़ाने की तैयारी ने रफ्तार पकड़ ली है। करीब 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से 44 किलोमीटर लंबा नेटवर्क विकसित करने की योजना है। दो कॉरिडोर में बंटे इस नेटवर्क में 33 स्टेशन और दो डिपो प्रस्तावित हैं। परेड मैदान पर यह रिपोर्ट तैयार की है।

कुल 44 किलोमीटर लंबी मेट्रो रेल परियोजना को दो कॉरिडोर में बांटा गया है। पहला कॉरिडोर पूरब से पश्चिम और दूसरा उत्तर से दक्षिण होगा। पहला कॉरिडोर प्रयागराज एयरपोर्ट से सूबेदारगंज तक लगभग छह किलोमीटर भूमिगत रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। वहां से केंद्र सरकार को रिपोर्ट प्रेषित की जाएगी, जहां इस परियोजना को अंतिम मंजूरी मिलेगी।

परेड से चारों दिशाओं के लिए मिलेगी मेट्रो

– मेट्रो ट्रेन के चलने से कुंभ व माघ मेला में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को संगम के नजदीक परेड ग्राउंड से चारों दिशाओं के लिए मेट्रो ट्रेन मिलेगी। परेड मैदान पर इंटरचेंज स्टेशन प्रस्तावित गया गया है। ऐसे में झूंसी, फाफामऊ, एयरपोर्ट व नैनी जाने के लिए परेड से मेट्रो ट्रेन की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

संगम समेत होंगे 33 स्टेशन व दो डिपो

मेट्रो रेल के लिए कुल 33 स्टेशन व दो डिपो बनाए जाएंगे। पूरब से पश्चिम कॉरिडोर में 16 और उत्तर से दक्षिण कॉरिडोर में 17 मेट्रो स्टेशन होंगे। इसके अलावा गंगापार में खानूपुर के पास और यमुनापार में टीएसएल की जमीन के पास डिपो का निर्माण कराया जाएगा।

पूरब से पश्चिम कॉरिडोर के प्रस्तावित स्टेशन

प्रयागराज एयरपोर्ट, ट्रिपलआईटी, कालिंदीपुरम, सूबेदारगंज, लॉरेंस रोड, हाईकोर्ट, प्रयागराज जंक्शन, सिविल लाइंस बस अड्डा, सिविल लाइंस, मेडिकल चौराहा, मधवापुर, परेड मैदान (इंटरचेंज जंक्शन), संगम, आजाद नगर, झूंसी, त्रिवेणीपुरम, सिटी लेक फॉरेस्ट

उत्तर से दक्षिण कॉरिडोर के प्रस्तावित स्टेशन

शांतिपुरम, गंगा नगर, फाफामऊ, पीतांबर नगर, एमएनएनआईटी, तेलियरगंज, मजार चौराहा, यूनिवर्सिटी रोड, कर्नलगंज, प्रीतम गंज, परेड मैदान (इंटरचेंज जंक्शन), मिंटो पार्क, महेवा पट्टी, अंबेडकर नगर, अरैल, नैनी बाजार रोड, नैनी, छिवकी

मेट्रो रेल की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट शासन को प्रेषित कर दी गई है। शासन के माध्यम से रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाएगी और वहां से मंजूरी मिलने के बाद इस पर काम शुरू होगा। परियोजना पर 12 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। – ऋषि राज, उपाध्यक्ष, प्रयागराज विकास प्राधिकरण



इंटरचेंज स्टेशन बनने से झूंसी, फाफामऊ, एयरपोर्ट और नैनी तक पहुंचना आसान होगा।

संगम नगरी में मेट्रो ट्रेन संचालन के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) शासन को भेज दी है। प्रयागराज में तकरीबन 12 हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) के लिए (रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस) राइट्स ने खंड और सूबेदारगंज से सिटी लेक फॉरेस्ट तक 17 किलोमीटर एलिवेटेड (ऊपर उठा हुआ) खंड को कवर करेगा।

दूसरा कॉरिडोर शांतिपुरम से छिवकी तक लगभग 21 किलोमीटर एलिवेटेड खंड होगा। यह कॉरिडोर तेलियरगंज और मिंटो पार्क से होकर गुजरेगा। रिपोर्ट में प्रस्तावित स्टेशन स्थानों, इंटरचेंज स्टेशन और डिपो स्थानों का भी उल्लेख है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने विस्तृत परियोजना

ट्रिपलआईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर होगी भर्ती, ग्रेड-एक और दो के पदों पर होगी नियुक्ति

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) में असिस्टेंट प्रोफेसर के रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। संस्थान ने इसके लिए रोलिंग भर्ती विज्ञापन जारी किया है। इसके तहत अभ्यर्थी पूरे साल ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) में असिस्टेंट प्रोफेसर के रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। संस्थान ने इसके लिए रोलिंग भर्ती विज्ञापन जारी किया है। इसके तहत अभ्यर्थी पूरे साल ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी और एप्लाइड साइंसेज विभागों में असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड-एक के पदों पर नियमित और ग्रेड-दो के पदों पर संविदा आधार पर नियुक्ति होगी।

विज्ञापन के अनुसार आवेदन की कोई निश्चित अंतिम तिथि नहीं है। संस्थान अपनी आवश्यकता के अनुसार कटऑफ तिथि घोषित करेगा। इस तिथि तक प्राप्त आवेदनों को संबंधित भर्ती चरण में शामिल किया जाएगा। ग्रेड-दो के लेवल-10 पद के लिए पीएचडी अनिवार्य है, जबकि लेवल-11 के लिए पीएचडी के साथ एक वर्ष का पोस्ट-पीएचडी अनुभव और एससीआई जर्नल में शोधपत्र जरूरी है। ग्रेड-एक के लिए पीएचडी के साथ तीन वर्ष का पोस्ट-पीएचडी अनुभव या मास्टर डिग्री के बाद छह वर्ष का अनुभव और पीएचडी से बाहर दो एससीआई शोधपत्र आवश्यक हैं। आईटी विभाग में एजेंटिक एआई, जनरेटिव एआई, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा और ब्लॉकचेन के विशेषज्ञ आवेदन कर सकेंगे। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में वीएलएसआई व सेमीकंडक्टर डिजाइन और एप्लाइड साइंसेज में क्वांटम कंप्यूटिंग के विशेषज्ञों को मौका मिलेगा। सामान्य अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 1180 रुपये है। एससी, एसटी और दिव्यांग अभ्यर्थियों को शुल्क नहीं देना होगा। ऑनलाइन आवेदन के बाद उसकी हार्ड कॉपी भी संस्थान भेजनी होगी। चयन प्रस्तुतीकरण और साक्षात्कार के आधार पर होगा। शिक्षकों को प्रत्येक तीन वर्ष में तीन लाख रुपये का व्यावसायिक विकास भत्ता भी मिलेगा।



दिवाली की रात पूर्व सैन्यकर्मी के घर समेत 21 जगहों पर लगी आग

प्रयागराज। जिले में दिवाली की रात आतिशबाजी के बीच शहर में आग लगने की 21 घटनाएं हुई। धूमनगंज के पारस ग्रीन अपार्टमेंट में पूर्व सैन्यकर्मी के फ्लैट की बालकनी, एमएनएनआईटी के हॉस्टल, गोदाम, मकानों समेत अन्य जगहों पर आग लग गई। अलग-अलग इलाकों से लगातार मिल रही सूचनाओं पर दमकल की गाड़ियां दौड़ती रहीं।

अग्निशमन विभाग ने आग पर काबू पाने के लिए 24 से अधिक फायर टेंडर तैनात किए थे। सभी घटनाओं में समय रहते आग बुझा ली गई। किसी में जनहानि नहीं हुई। एमएनएनआईटी के मदन मोहन मालवीय हॉस्टल में रविवार रात करीब 9.30 बजे एक कमरे में आग लग गई।

कमरे से धुआं उठता देख छात्रों ने कॉलेज प्रशासन को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल कर्मियों ने करीब 45 मिनट में आग बुझाई।

तब तक कमरे में रखा बिस्तर और अन्य सामान जल चुका था। कमरे में रहने वाला छात्र लैपटॉप चार्जिंग पर लगाकर बाहर गया था। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी। वहीं, सिविल लाइंस में हॉट स्टफ चौराहे के पास एक पेड़ में आग लग गई। उधर, धूमनगंज स्थित पारस ग्रीन अपार्टमेंट की 10वीं मंजिल के एक फ्लैट की बालकनी में भी आग लगी।



फ्लैट में रहने वाले पूर्व सैन्यकर्मी पैतृक गांव गए हुए थे। पड़ोसियों ने प्रयास कर आग पर काबू पाया। प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया कि वहां लगा अग्निशमन यंत्र काम नहीं कर रहा था। वहीं, जॉर्जटाउन में भी एक मकान में लगी लग गई। दमकल गाड़ियों ने थोड़ी में आग पर काबू पा लिया।

इसके अलावा रविवार को फूलपुर के वीरकाजी गांव में दोपहर 11रू30 बजे, सोरांव के बरई गांव में शाम करीब सात बजे आग लगी। हंडिया स्थित एक घर में दोपहर 1रू30 डेढ़ बजे, सराय ममरेज में एक कार में छह बजे आग लग गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी चंद्रमोहन शर्मा ने बताया कि सभी जगह समय रहते काबू पा लिया गया। किसी भी घटना में जनहानि नहीं हुई।

फर्नीचर, बिस्तर समेत घर का अन्य सामान जला

अल्लापुर में लेबर चौराहे के पास स्थित एक मकान की तीसरी मंजिल पर किरायेदार के किचन में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और किचन में रखा सामान जलने लगा। समय रहते दमकलकर्मियों की कार्रवाई से आग को फैलने से रोक लिया गया। उधर, दिवाली की रात एयरपोर्ट क्षेत्र स्थित गोदाम में आग लग गई। कीडगंज स्थित एक मकान में आग से फर्नीचर, बिस्तर समेत घर का अन्य सामान जल गया। शिवकुटी स्थित एक अपार्टमेंट में भी आग गई। मुट्ठीगंज में रोशन गार्डन के पास भी एक मकान में आग लगने से अफरातफरी मच गई।

मिट्टी धंसने से प्रयागराज-डीडीयू रेलमार्ग की डाउन लाइन पर थमा रेल परिचालन

प्रयागराज। प्रयागराज– पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेल मार्ग के मिर्जापुर–झिंगुरा रेलखंड के मध्य तीसरी रेल लाइन और ट्रैक सबसाइड से जुड़े निर्माण कार्य के दौरान मंगलवार शाम एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। शाम करीब 6रू20 बजे अचानक ट्रैक के पास मिट्टी धंस गई। सूचना मिलते ही रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने तत्काल एहतियाती कदम उठाए और डाउन लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी। हालांकि, अप लाइन पर रेल परिचालन सुचारु रूप से जारी रखा गया है। घटना के तुरंत बाद रेलवे की वरिष्ठ तकनीकी टीमें मौके पर पहुंच गईं और धंसने वाले हिस्से को सुरक्षित कर सुधारात्मक कार्य शुरू कर दिया। इस घटना के कारण दिल्ली–हावड़ा मुख्य रेल मार्ग प्रभावित हुआ है, जिससे प्रयागराज से गुजरने वाली कई प्रमुख ट्रेनों के रूट बदलने पड़े हैं। गाड़ी संख्या 12274 हावड़ा दुरंतो, 12398 महाबोधि एक्सप्रेस, 12368 विक्रमशिला एक्सप्रेस और 12947 अजीमाबाद एक्सप्रेस को प्रयागराज जंक्शन से प्रयागराज रामबाग, बनारस, वाराणसी जंक्शन होते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के रास्ते रवाना किया जा रहा है। इसके साथ ही 12167 लोकमान्य तिलक टर्मिनस–बनारस एक्सप्रेस सहित तीन अन्य ट्रेनों को भी इसी वैकल्पिक मार्ग पर मोड़ दिया गया है। रेलवे प्रशासन ने रूट पर दबाव कम करने के लिए 13 लंबी दूरी की ट्रेनों को कानपुर–लखनऊ मार्ग पर शिफ्ट कर दिया है। गाड़ी संख्या 12878 रांची गरीब रथ, 09427 अजीमाबाद स्पेशल, 04478 आनंद विहार भागलपुर, 04078 दिल्ली दरभंगा, 09725 जयपुर गया स्पेशल, 04088 नई दिल्ली पटना स्पेशल, 12436 जयनगर गरीब रथ, 12394 संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, 03436 मालदा टाउन स्पेशल, 04404 शकूरबस्ती पटना, 22362 राजेंद्र नगर अमृत भारत, 04052 नई दिल्ली हावड़ा स्पेशल और 12260 सियालदह दूरंतो एक्सप्रेस को अब कानपुर सेंट्रल–लखनऊ–पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के रास्ते चलाया जा रहा है। वहीं, परिचालन बाधित होने के चलते गाड़ी संख्या 63238 सूबेदारगंज–डीडीयू मेमू को निरस्त करना पड़ा, जो काफी देर तक प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर ही खड़ी रही। प्रयागराज मंडल की जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह का कहना है कि रेलवे के मंडलीय नियंत्रण कक्ष से पूरे स्थिति की पल-पल निगरानी की जा रही है। यात्रियों को परेशानी से बचाने के लिए स्टेशन पर लगातार उद्घोषणाएं की जा रही हैं और सहायता काउंटरों को अलर्ट पर रखा गया है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन रवाना होने से पहले अपनी ट्रेन की वर्तमान स्थिति अवश्य जांच लें।

यमद्वितीया मेले के पहले दिन भक्तों का लगा तांता

प्रयागराज। यमुनापार के सबसे बड़े यमद्वितीया मेले के पहले दिन मंगलवार को भारी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी। मेले में आए श्रद्धालुओं ने यमुना स्नान कर सुजावनदेव मंदिर में पूजा-अर्चना और जलाभिषेक किया। घूरपूर बाजार से भीटा जसरा तक लगभग चार किलोमीटर के क्षेत्र में फैले मेले का लोगों ने खूब आनंद उठाया। घूरपूर के समीप देवरिया भीटा की पहाड़ी पर लगने वाला यह ऐतिहासिक मेला संगम किनारे लगने वाले माघ मेले के बाद जिले का सबसे बड़ा आयोजन होता है। इस वर्ष भी मेले में प्रयागराज के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा कौशाम्बी, चित्रकूट, बांदा, मिर्जापुर, सोनभद्र, प्रतापगढ़, जौनपुर और पड़ोसी मध्य प्रदेश के रीवा और सतना जिले से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मेले में सम्मिलित हुए। मेले में आए अधिकतर श्रद्धालुओं ने यमुना स्नान करने के बाद नदी के मध्य स्थित प्रसिद्ध सुजावन देव मंदिर में दर्शन-पूजन और जलाभिषेक किया। मंदिर के मुख्य पुजारी ज्ञान गोस्वामी ने बताया कि मंदिर में मंगलवार की भोर से ही लोग जुटना शुरू हो गए थे और देर रात तक श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का दर्शन-पूजन और जलाभिषेक करते रहे। मेले में घर गृहस्थी की छोटी-बड़ी सभी सामग्री आसानी से उपलब्ध होती हैं। यही कारण है कि मेले में हर वर्ग और संप्रदाय के लोग जुड़ते हैं। केवल श्रद्धालु ही नहीं मेले में दूर-दूर तक के दुकानदार भी आते हैं। प्रतिवर्ष यहां मेरठ, अलीगढ़ आदि क्षेत्रों से लोहे के कारोबारी आते हैं तो राजस्थान के श्रीनगर और बीकानेर और विभिन्न क्षेत्रों से दुकानदार आते हैं।

मेले में चोर उचक्के भी सक्रिय रहे। सुजावन देव मंदिर में जलाभिषेक कर रही महिला श्रद्धालु के गले से उचक्कों ने डेढ़ तोले की सोने की जंजीर ही उड़ा दी। पीड़ित महिला नीतू सिंह निवासी अल्लापुर प्रयागराज ने बताया कि वह परिवार के साथ यमुना स्नान के बाद मंदिर में शिव की पूजा कर रही थीं। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर उचक्कों ने उनके गले की डेढ़ तोले की सोने की जंजीर चोरी कर ली। मेले में बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए जुटते हैं। चित्रकूट में दिवाली के दिन भगवान कामतानाथ को दीप-दान कर लौटे श्रद्धालु तब तक अपने घर नहीं जाते, जब तक वे भैया दूज को सुजावनदेव घाट पर पर यमुना स्नान न कर लें। मान्यता है कि आज के दिन जो यमुना स्नान करता है उसे मोक्ष प्राप्त होता है। प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी घूरपुर रेलवे फाटक के पास रेलवे पुलिस की तैनाती की गई थी।

सऊदी अरब से लौटे युवक ने मालगाड़ी के सामने कूदकर दी जान

प्रयागराज। नवाबगंज में सऊदी अरब से लौटे एक युवक ने सोमवार सुबह मालगाड़ी के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू की। मृतक की पहचान हथिगवां के दुधिया गांव निवासी शुभम के रूप में हुई है। शुभम दो महीने पहले ही सऊदी अरब से नौकरी छोड़कर गांव लौटा था। पुलिस के अनुसार, घटना से पहले वह रेलवे लाइन किनारे मोबाइल फोन पर बात कर रहा था। मालगाड़ी को आता देख उसने अपना मोबाइल फोन जेब में रखा और ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। जवान बेटे की मौत से मां राजकली सहित पूरे परिवार में कोहराम मचा है। पुलिस जांच कर रही है कि फोन पर हुई किस बात के कारण युवक ने यह आत्मघाती कदम उठाया। शुभम के पिता शंकरलाल खेती किसानी करते हैं। चार भाइयों व एक बहन में सबसे छोटा था।

सरदार पटेल की प्रतिमा हटाने पर गरमाई राजनीति, 72 घंटे का अल्टीमेटम

प्रयागराज। उमरिया सारी मादीपुर गांव में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा हटाए जाने पर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। सोमवार को सपा विधायक आरके वर्मा समेत कई नेताओं ने गांव पहुंचकर कार्रवाई पर सवाल उठाए। वहीं, सरदार सेना ने 72 घंटे के भीतर प्रतिमा दोबारा स्थापित करने की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। मऊआइमा के ग्राम उमरिया सारी मादीपुर में राम अजोर पटेल के घर के सामने स्थित जमीन पर चबूतरा काफी दिनों से बना था। शनिवार रात अज्ञात लोगों ने इस पर सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापित कर दी थी। रविवार सुबह राम अजोर पटेल की शिकायत पर नायब तहसीलदार चंदन जयसवाल, लेखपाल शैलेन्द्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक जगदीश कुशवाहा मौके पर पहुंचे।

संक्षिप्त

सिपाही पर व्यापारी से पांच हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के रहीमाबाद थाने में तैनात सिपाही पर व्यापारी से पांच हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगा है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग ने जांच शुरू कर दी। हालांकि, वीडियो में दिख रहे व्यापारी ने रिश्वत देने से इनकार किया है। उसका कहना है कि सीसीटीवी फुटेज दो से तीन साल पुराना है और रकम सामान के लेनदेन से जुड़ी है। पुलिस की ओर से 11 नवंबर को जारी मीडिया अपडेट के मुताबिक, वायरल वीडियो ग्राम तेरवा निवासी अम्मार गाजी की दुकान का बताया गया है। पुलिस ने व्यापारी से पूछताछ की तो उसने किसी तरह की रिश्वत देने से इनकार किया। व्यापारी ने अपना पक्ष रखते हुए एक वीडियो भी पुलिस को दिया है। अम्मार के मुताबिक, उनकी मोरंग–गिट्टी की दुकान है। सिपाही प्रेम नारायण ने दुकान से सामान खरीदा था। इसके दो हजार रुपये उन्हें लौटाने थे। व्यापारी का दावा है कि वायरल सीसीटीवी फुटेज दो से तीन साल पुराना है। इसमें दिखाई गई रकम रिश्वत की नहीं, बल्कि सामान के लेनदेन से जुड़ी है। पुलिस के मुताबिक, सिपाही प्रेम नारायण रहीमाबाद थाने में सरकारी वाहन चालक के रूप में तैनात थे। थाने में अलग से चालक नियुक्त नहीं होने के कारण वह सरकारी वाहनों के संचालन और देखरेख की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनका थाना सैरपुर में तबादला कर तत्काल प्रभाव से रवाना कर दिया गया है। वहीं, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में उन पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है। मामले की प्रारंभिक जांच एसीपी मलिहाबाद को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गर्लफ्रेंड से झगड़े के बाद युवक ने लगाई फांसी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में गर्लफ्रेंड से झगड़े के बाद 22 साल के युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। आत्महत्या से पहले उसने फंदे के साथ अपनी फोटो गर्लफ्रेंड को भेजी थी। पिता की तहरीर पर पुलिस ने महिला मित्र सलोनी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में एफआईआर दर्ज की है। घटना मंगलवार रात करीब साढ़े 10 बजे बाजारखाला इलाके की है। आकांक्ष (22) की सलोनी के साथ शादी होने वाली थी। इसी बीच सलोनी किसी और से बात करने लगी। इसकी जानकारी होने पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। भरतपुरी बी निवासी ओमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा आकांक्ष राजाजीपुरम के डबल पुलिया निवासी सलोनी के संपर्क में था। दोनों के बीच करीब दो साल से दोस्ती थी। पिता का आरोप है कि सलोनी उनके बेटे को प्रताड़ित कर रही थी। इससे परेशान होकर उसने आत्महत्या कर ली। मृतक के भाई साहिल के मुताबिक, आकांक्ष शकुंतला नाम के ऑफिस में सफाई का काम करता था। वह सलोनी से शादी करना चाहता था और परिवार भी इसके लिए तैयार था। घर में दादी का निधन होने के कारण दिवाली के बाद शादी से जुड़ा कार्यक्रम करने की तैयारी थी। इसी बीच आकांक्ष को पता चला कि सलोनी किसी दूसरे युवक के भी संपर्क में है। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। मंगलवार रात खाना खाने के बाद आकांक्ष छत पर गया। कुछ देर बाद उसने बाथरूम के दरवाजे की ग्रिल से प्लास्टिक का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। बाजारखाला पुलिस के मुताबिक, पिता की तहरीर पर सलोनी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सांस लेना हुआ दुश्वारः दीपावली के अगले दिन ही हवा हुई बेहद खराब, रेड जोन में यूपी के सात शहर

लखनऊ, संवाददाता। दीपावली के बाद अगले दिन सोमवार यानी नौ नवंबर को उत्तर प्रदेश के कई शहरों में हवा की गुणवत्ता तेजी से बिगड़ गई। आतिशबाजी और पटाखों के धुएं के असर से प्रदेश के सात शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार यानी रेड जोन में पहुंच गया जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर माना जाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक दीपावली के अगले दिन सोमवार को सोनभद्र का अनपरा प्रदेश का सबसे प्रदूषित शहर रहा। यहां एक्यूआई 355 दर्ज किया गया। वहीं, नोएडा में 332 और खुर्जा में 331 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। गाजियाबाद में भी वायु गुणवत्ता सूचकांक 324 तक पहुंच गया। इसके अलावा बागपत, गजरौला और बुलंदशहर में भी एक्यूआई 300 के पार रहा।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

लखनऊ, संवाददाता। बंथरा थाना क्षेत्र स्थित हरौनी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से अभिषेक सिंह चौहान (34) की मौत हो गई। वह 4 नवंबर से लापता थे। मंगलवार रात करीब 9.30 बजे लखनऊ से कानपुर जा रही बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट ट्रेन के ड्राइवर ने स्टेशन मास्टर को हादसे की सूचना दी। जीआरपी ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कपड़ों से मिले आधार कार्ड से उनकी पहचान हुई। अभिषेक हरौनी गांव में रहते थे और जाइडस दवा कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव थे। वह चौक इलाके में काम करते थे। पुलिस के मुताबिक, 4 नवंबर को वह अपने 7 साल के बेटे अथर्व और 4 साल के बेटे प्रिशु को स्कूल छोड़ने के बाद ऑटो से ड्यूटी गए थे। दोपहर में पत्नी मधु सिंह ने किसी काम से फोन किया तो मोबाइल बंद मिला। कई बार कॉल करने पर भी संपर्क नहीं हुआ। देर शाम तक अभिषेक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश की। पता नहीं चलने पर रात में बंथरा पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की। मंगलवार रात करीब 9.30 बजे लखनऊ से कानपुर जा रही 12565 अप बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट ट्रेन के ड्राइवर ने हरौनी स्टेशन मास्टर को सूचना दी। ड्राइवर के मुताबिक, प्लेटफॉर्म शुरू होते ही एक व्यक्ति ट्रेन के सामने आकर खड़ा हो गया। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर जीआरपी मौके पर पहुंची। शव के टुकड़े करीब 100 मीटर तक पटरी पर बिखरे मिले। कपड़ों से मिले आधार कार्ड से मृतक की पहचान हरौनी निवासी अभिषेक कुमार सिंह के रूप में हुई। जीआरपी ने हरौनी पुलिस चौकी को सूचना दी। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर कपड़ों से उनकी पहचान की।

सच्चा बाबा आश्रम में साहित्यकार प्रेम कुमार त्रिपाठी के लघुकथा संग्रह 'नीलकमल खिल गया' का विमोचन

साहित्यकारों की रचनाओं और काव्यपाठ से सजी साहित्यिक संध्या, लेखक को मिला डॉ. राजेश्वर सहाय त्रिपाठी स्मृति सम्मान

प्रतापगढ़। जनपद हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में जनपद के प्रतिष्ठित कथाकार प्रेम कुमार त्रिपाठी श्प्रेमश के लघुकथा संग्रह श्नीलकमल खिल गयाश का भव्य विमोचन समारोह सई तट स्थित श्री सच्चा बाबा आश्रम में संपन्न हुआ। साहित्य, संस्कृति और काव्य की त्रिवेणी से सजे इस आयोजन में जनपद के साहित्यकारों, कवियों, गीतकारों एवं शायरों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से पुस्तक और उसके रचनाकार को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कवयित्री चांदनी दुबे ने सरस्वती वंदना एवं भक्ति गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अतिथियों का स्वागत संरक्षक पं. अनिल प्रताप त्रिपाठी श्प्रवातश ने किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि नीलकमल भगवान श्रीराम के नेत्रों का प्रतीक है। जब नीलकमल खिलता है तो लाल और सफेद कमल भी स्वतः खिल उठते हैं। उन्होंने कहा कि कथा ऐसी प्रभावशाली विधा है, जिसके माध्यम से किसी भी विचार को सहजता से हृदय में उतारा जा सकता है। प्रेम कुमार त्रिपाठी अपनी कथाओं के माध्यम से पाठकों के हृदय तक पहुंचने में सफल रहे हैं। उनकी प्रत्येक कहानी कोई न कोई सार्थक संदेश देती है। उनके साहित्य में करुणा और रौद्र रस का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

समारोह के मुख्य अतिथि एवं सच्चा बाबा आश्रम के महंत पूज्य संत मनोज ब्रह्मचारी जी ने कहा कि प्रेम कुमार ने इस पुस्तक के माध्यम से लोगों में आध्यात्मिक एवं धार्मिक चेतना जागृत करने का पुनीत कार्य किया है।

अति विशिष्ट अतिथि डॉ. शाहिदा खान ने कहा कि कहानियां व्यक्ति को उत्तम जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं और समाज को सही दिशा दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दयाराम मौर्य श्रत्नश ने कहा कि महान कथाकार प्रेमचंद के बाद जनपद में कहानी लेखन के क्षेत्र में आए अंतराल को प्रेम कुमार अपनी रचनाओं से भरने का सार्थक प्रयास कर रहे हैं। आज की व्यस्त जीवनशैली में लघुकथाएं कम समय में प्रभावशाली संदेश देने का सशक्त माध्यम हैं।

इस अवसर पर लेखक प्रेम कुमार त्रिपाठी श्प्रेमश को साहित्यिक योगदान के लिए डॉ. राजेश्वर सहाय त्रिपाठी स्मृति सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पं. अनिल प्रताप त्रिपाठी ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि इसमें जीवन की पाठशाला के जीवंत अनुभव समाहित हैं। लेखक अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को सही दिशा देने और नैतिक मूल्यों की स्थापना करने में सफल रहे हैं।

आयोजक एवं पत्रकार, स्टैंडर्ड न्यूज़ के संपादक व प्रकाशक अखिल नारायण सिंह श्अकेलाश ने कहा कि प्रेम कुमार ने साहित्य, विशेषकर कथा लेखन के क्षेत्र में अल्प समय में जो उपलब्धि हासिल की है, वह अनुपमेय है। उन्होंने लेखक की साहित्यिक यात्रा की सराहना करते हुए उनकी पुत्री ज्योति एवं पौत्री सानवी पर विशेष अंक प्रकाशित करने का अवसर मिलने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की।

संयोजक एवं प्रसिद्ध शायर नियाज प्रतापगढ़ी ने अपनी शायरी के माध्यम से लेखक को बधाई देते हुए कहाकृ

आइए इनको दें मिल के शुभकामना,
प्रेम से, प्रेम का नीलकमल खिल गया।

लेखक प्रेम कुमार त्रिपाठी श्प्रेमश ने सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए अपनी भावनाएं इन पंक्तियों में व्यक्त कींकृ

दिल हमारा मिल गया, मोम सा पिघल गया,
आप सभी आ गए तो, नीलकमल खिल गया।

इस अवसर पर कवि अमित शुक्ल ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहाकृ

प्रेम लेखनी की स्याही को ठहराव फिर से मिल गया
बहुत प्रतीक्षा हुई अंततः
नीलकमल खिल गया

नवोदित कवि आनंद मोहन ओझा ने पढ़ाकृ श्नीलकमल की पंखुड़ियों पर सृजन की आभा दमक रही।श वहीं बाल कवयित्री सानवी त्रिपाठी ने मंच पर पहुंचते ही अपनी पंक्तियोंकृ श्ताली बजाओ आप सब, नीलकमल खिल गयाश से श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरीं।

साहित्यिक प्रस्तुतियों की इस श्रृंखला में चांदनी दुबे ने श्हां वही राम हैं, हां वही श्याम हैंश भक्ति रचना प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर किया। इसके अतिरिक्त राकेश कुमार पांडेय, राजनारायण शुक्ल श्राजनश, अमरनाथ गुप्ता श्बेजोड़श, कुंज बिहारी लाल श्काकाश, गिरिराज पांडेय, शेषनारायण राही, सुरेश नारायण दुबे श्व्योमश, उदयराज मिश्रा, हरिवंश शुक्ल, शौर्य आशुतोष गिरि, दीपक एवं जयराम पांडेय श्राहीश ने अपने उत्कृष्ट काव्यपाठ से आयोजन को ऊंचाइयां प्रदान कीं।

शिक्षक राजेश कुमार मिश्र एवं अवधी भाषा–साहित्य की अलख जगाने वाले दिव्यराज आनंद ने पुस्तक पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित लोगों से इसकी रचनाओं से प्रेरणा लेने की अपील की।

कार्यक्रम का शानदार संयोजन अखिल नारायण सिंह श्अकेलाश, पं. अनिल प्रताप त्रिपाठी श्प्रवातश, नियाज प्रतापगढ़ी एवं सहयोगियों ने किया। कुशल संचालन शिक्षक राकेश कनौजिया ने किया तथा अंत में आयोजक अखिल नारायण सिंह श्अकेलाश ने सभी अतिथियों, साहित्यकारों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राकेश कुमार पांडेय, अरुण कुमार मिश्र, अरुण ओझा, सूर्यप्रकाश, धीरेन्द्र कुमार तिवारी एडवोकेट, धर्मेंद्र तिवारी रीडर, राकेश कुमार पांडेय श्प्रेमूश, माया त्रिपाठी, रेनू त्रिपाठी, कान्हा, विनय सहित अनेक साहित्यप्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।



श्रेष्ठ वही है कर्म

(कुण्डलिया)

श्रेष्ठ वही है कर्म निहित जिसमें हरि रहते।
भूल सदा निज लाभ सभी का हित हैं करते।
अहं भाव से दूर समर्पित सब में होकर।
करते हैं वह कृत्य लगे सर्वदा मनोहर।
सच्चाई का साथ दें निराकरण कर प्रश्न का।
सावन से संदर्भ ले अर्थ बताते जश्न का।।

हित– सुख और विकास साथ कल्याणी बाते।
हो जिसका उद्देश्य कर्म वह सबको भाते।
सृष्टि–संतुलन ध्यान सदा रख मन के अंदर।
देते ऐसा ज्ञान लौट आता मन्वंतर।
जैसे सावन बोध से मिलता जग को पल सुखद।
वैसे ही शुभ कृत्य भी होते है सबसे वृहद।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मिशन फतह 2027, भाजपा काट सकती 40 से 50 विधायकों के टिकट

विकास और सरकारी योजनाओं को बनाएगी चुनावी मुद्दा

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में 2027 होने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी हैट्रिक लगाने के लिए कोई भी रिस्क लेने के मूड में नहीं है। उसका लक्ष्य सिर्फ और सिर्फ जीत और वो भी तीन सौ पार के आंकड़े के साथ हुकूमत है। फरवरी और मार्च के दौरान संभावित चुनावों को देखते हुए भाजपा, कांग्रेस समेत सभी प्रमुख दल अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। भाजपा की चुनाव में अपने शासनकाल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को प्रमुखता देने की है। भारतीय जनता पार्टी जनता के बीच विकास और सकारात्मक एजेंडे के साथ पहुंचकर और सरकार के कामकाज के आधार पर एक और कार्यकाल के लिए समर्थन मांगने उतरने वाली है। चुनावी माहौल में विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवाल भाजपा की रणनीति के लिए चुनौती बन रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि विपक्ष राज्य सरकारों के कामकाज और स्थानीय समस्याओं पर चर्चा करने के बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के जरिए केंद्र सरकार को निशाना बना रहा है। लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली सरकारों के सामने आमतौर पर सत्ता विरोधी माहौल का सामना करने की चुनौती रहती है। विपक्ष विकास, रोजगार, महंगाई, कानून–व्यवस्था और जन सुविधाओं जैसे मुद्दों को उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश करता है।भाजपा नेताओं का मानना है कि इस बार विपक्ष का जोर स्थानीय मुद्दों के बजाय राष्ट्रीय राजनीति पर अधिक है। भाजपा अपनी योजनाओं और उपलब्धियों को जनता के सामने रखकर चुनावी समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगी।उत्तर प्रदेश में भाजपा ने मिशन 2027 की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी संभावित उम्मीदवारों के चयन के लिए बड़े स्तर पर फीडबैक जुटा रही है। मौजूदा विधायकों के साथ 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी के टिकट पर मैदान में उतरे प्रत्याशियों के प्रदर्शन का आकलन किया जा रहा है।पार्टी कार्यकर्ताओं, मंडल और बूथ अध्यक्षों के अलावा शक्ति केंद्र स्तर से भी जानकारी जुटाई गई है। सरकार और संगठन की ओर से सर्वे कराए जाने की बात सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक करीब 40 से 50 मौजूदा विधायकों के टिकट कट सकते हैं।

ईको गार्डन में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के ईको गार्डन में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी है। 72 दिनों से धरने पर बैठे अभ्यर्थियों ने भाई दूज भी धरनास्थल पर मनाया। घर नहीं जा सके तो वीडियो कॉल के जरिए बहनों से बात कर त्योहार मनाया। रोते हुए बहन बोली भैया घर कब आओगे? प्रदर्शनकारियों ने भूख हड़ताल भी शुरू कर दी है। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार और अधिकारियों की लापरवाही के कारण उन्हें घर–परिवार छोड़कर धरना देना पड़ रहा है। उनका कहना है कि मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने इसे अंतिम सांस तक जारी रखने का ऐलान किया है। प्रदर्शन कर रहे नवीन चौधरी ने कहा कि मुरादाबाद से आए हैं और 3 महीने से घर छोड़कर इको गार्डन में रह रहे हैं। इन्होंने बताया कि रक्षाबंधन पर भी घर नहीं गया उसके बाद दशहरा आया उसमें भी घर नहीं गया । दिवाली इसी इको गार्डन में मनाया और अब भाई दूज भी मना रहे हैं ल। इन्होंने बताया बूढ़े माता–पिता को अकेला छोड़कर मजबूरी में यहां पड़े हुए हैं। जब बुजुर्ग मां–बाप फोन करके पूछते हैं कि घर कब आओगे नौकरी कब तक लगेगी तो कोई जवाब नहीं रहता है सिर्फ आंसू निकलते हैं। उन्होंने कहा कि हमने ठान लिया है या तो कफन में जाएंगे या नियुक्ति लेकर उठेंगे। नियुक्ति या फिर मुक्ति इससे कम में समझौता नहीं होगा। प्रदर्शन करने आशुतोष ने बताया कि वीडियो कॉल के जरिए दशहरा, दिवाली और आज भाई दूज मनाया। अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ही एक जरिया बचा है कि परिवार से संपर्क कर सकें। इस नौकरी के संघर्ष ने परिवार और त्योहार से दूर कर दिया। 10 सितंबर को हम सभी लोगों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ हुई। इस दौरान बेसिक और माध्यमिक विभाग के तमाम आलाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है। जब राज्य पिछड़ा आयोग ने मान लिया राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग ने मान लिया और अब सरकार में बैठे अधिकारी मंत्री भी स्वीकार कर रहे हैं कि घोटाला हुआ है तो रोजगार क्यों नहीं मिलता। मगर अब यह मंत्री भी हमसे मिलने और बात करने कोतैयार थी। प्रदर्शन कर रहे उत्कर्ष ने कहा कि पिछले 8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण घोटाला हुआ है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी आरक्षण में गड़बड़ी की बात मानते हुए नियमों का पालन करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि आयोग के आदेशों का पालन किया जाए। वर्ष 2018 में भर्ती निकली थी, तभी हमने फॉर्म भरा था। इसके बाद से आज तक नौकरी की उम्मीद में 8 साल से सिर्फ चप्पल घिस रहे हैं। त्योहार के समय प्रदर्शन करना बहुत दुख की बात है मगर मजबूरी में करना पड़ रहा है।

यूपी में थर्ड फ्रंट, ओवैसी–चंद्रशेखर ने मिलाया हाथ, आज होगा ऐलान

40 फीसदी दलित–मुस्लिम वोट पर नजर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में बड़ा खेल होने जा रहा है। तीसरे मोर्चे की तैयारी है। असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने मिलकर विधानसभा चुनाव के लिए नया गठबंधन तैयार कर लिया है। इस गठबंधन की औपचारिक घोषणा कल लखनऊ में की जाएगी। दोनों नेता संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गठबंधन का ऐलान करेंगे। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस कल दपहर 12 बजे लखनऊ के दयाल पैराडाइस होटल में होगी। गठबंधन के नाम की भी घोषणा की जाएगी। इस नए मोर्चे के करीब 150 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी है।ओवैसी और चंद्रशेखर के साथ आने से यूपी विधानसभा चुनाव में तीसरे मोर्चे की चर्चा शुरू हो गई है। दोनों नेता कल गठबंधन की रूपरेखा और नाम का ऐलान करेंगे। इसके बाद चुनाव में मोर्चे की रणनीति और सीटों को लेकर तस्वीर साफ होने की उम्मीद है। मुख्य मुकाबला बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए और समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन के बीच माना जा रहा है। चुनाव से पहले तीसरे मोर्चे की एंट्री से राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

टेंडर नोटिस संख्याः सी एम-2/एसटीबीए/स्टेशन वाइज़न-2026/3 दिनांकः 10.11.2026

निविदा सूचना

(यह विज्ञप्ति सूचना सरकारी नौकरी के लिये नहीं है।)

यह नियुक्ति पूरी तरह संविदात्मक है और इसमें रेलवे सेवा में स्थायीकरण, सेवा का नियमितीकरण, बोनस, रेलवे पास आदि जैसी कोई सुविधा शामिल नहीं है।

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा प्रयागराज मंडल के अंतर्गत विभिन्न स्टेशन पर कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) द्वारा अनारक्षित टिकटों को बेचने हेतु प्रस्तावित के आधार पर (NSG-5/6 स्टेशन हेतु) 3 वर्ष के लिए एक स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट (एसटीबीए) के चयन हेतु मूल्यांकन भरे हुए निविदा (आवेदन) फार्म बंद लिफाफा में (जिसके ऊपर उस स्टेशन का नाम लिखा रहेगा जहाँ के लिए STBA सेवा देना चाहता है) दिनांक 15.12.2026 को 13.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा सं: सी.एम-2/एसटीबीए स्टेशन वाइज़न 2026/3 दिनांकः 10.11.2026

2. कार्य का उल्लेख स्थान सहित नाम

निविदा नोटिस सं.	स्टेशन कैटेगरी	स्टेशन का नाम	स्टेशन कोड	पालियाँ
1/1	NSG-6	जौनापुर	JEP	All Shift
1/2	NSG-6	मनोहरगंज	MNJ	All Shift
1/3	NSG-6	सुजातपुर	SJT	All Shift
1/4	NSG-6	प्रेमपुर	PMPR	All Shift
1/5	NSG-6	बिंदनपुर	BDNP	All Shift
1/6	NSG-6	रक्सा	RXM	All Shift
1/7	NSG-6	कुरसी कलां	KKS	All Shift
1/8	NSG-6	कसापुर मुर्गीली	KSQ	All Shift
1/9	NSG-6	कनहल	KAHL	All Shift
1/10	NSG-6	मझरहा	MFX	All Shift
1/11	NSG-6	जियना	JIA	All Shift
1/12	NSG-6	बरवड़	BRQ	All Shift
1/13	NSG-6	कटिया डीह	KTDO	All Shift
1/14	NSG-6	पनाई	PNHI	All Shift
1/15	NSG-6	अवसराय	ASCE	All Shift
1/16	NSG-6	कनवार	KUW	All Shift
1/17	NSG-6	बिन्सरी रोड	BKO	All Shift
1/18	NSG-6	भाऊपुर	BPU	All Shift
1/19	NSG-6	मैया	MTO	All Shift
1/20	NSG-6	अम्बियापुर	AAP	All Shift
1/21	NSG-6	पाता	PATA	All Shift
1/22	NSG-6	इकरिया	EKL	All Shift
1/23	NSG-6	जगदंबा नगर	JGR	All Shift
1/24	NSG-6	बलरई	BBL	All Shift
1/25	NSG-6	भदान	BDN	All Shift
1/26	NSG-6	खैरारा	KAA	All Shift
1/27	NSG-6	जसेसर सिटी	JSC	All Shift
1/28	NSG-6	ईटा	ETAH	All Shift
1/29	NSG-6	बरहन	BRN	All Shift
1/30	NSG-6	चमरौहा	CMR	All Shift
1/31	NSG-6	मंडरायल	MXK	All Shift
1/32	NSG-6	मंजूरगढ़ी	MZGI	All Shift
1/33	NSG-6	सिकंदरपुर	SKQ	All Shift
1/34	NSG-6	अजायबपुर	AJR	All Shift
1/35	NSG-6	मारीपत	MRJ	All Shift
1/36	NSG-5	भोगौंव	BGQ	All Shift
1/37	NSG-5	वैर	WAIR	All Shift

3. निविदा फॉर्म की लागत रुपये में:₹ 1000/- + 18% (GST) = ₹1180/- (एक हजार एक सौ अस्सी रुपये मात्र) 4. कार्यालय का पता जहाँ से निविदा फार्म खरीदा जा सकता है: मिर्जापुर, मनिकपुर, प्रयागराज-सिवनी, प्रयागराज, फतेहपुर, कानपुर, इटावा, टूंडला, अलीगढ़ एवं खुर्जा स्टेशन के मुख्य कुलिंग पर्यवेक्षक कार्यालय से अथवा उत्तर मध्य रेलवे के वेबसाइट http://ncr.indian railways.gov.in से भी डाउनलोड किया जा सकता है। 5.कार्यालय का पता जहाँ निविदा फार्म जमा किया जा सकता है: 1. वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, नवाब युसुफ रोड, सिविल लाइन, प्रयागराज, पिन- 211001 2. उप मुख्य यातायात प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे स्टेशन बिल्डिंग, कानपुर। 6. जमा करने वाली EMD रुपया राशि रुपये में:₹2000/- NSG-6, एवं ₹ 5000/- NSG-5 के लिए। 7.कार्य सम्पादन की अवधि: 3 वर्ष 8. । निविदा प्रस्तुत करने की तारीख एवं समय: 1. समाचार पत्र में निविदा प्रकाशित होने की तिथि से दिनांक: 15.12.2026 को 13.00 बजे तक, ii निविदा खोलने की तारीख एवं समय: i) दिनांक: 15.12.2026 को 15:30 बजे। 9. वेब साइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है: निविदा सूचना प्रपत्र शर्तें एवं नियमों के विवरण आदि उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट https://ncr.indianrailways.gov.in से भी डाउनलोड किया जा सकता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मंडल रेल कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, नवाब युसुफ रोड, सिविल लाइन, प्रयागराज के नोटिस बोर्ड एवं उप मुख्य यातायात प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे स्टेशन बिल्डिंग, कानपुर के नोटिस बोर्ड पर विवरण देखा जा सकता है। सहायक वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग
2561/26(AK) उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

लालच की मिलावट

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा त्योहारी सीजन में मिलावटी खाद्य–डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता जांच–पड़ताल के लिये राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया गया। इस देशव्यापी मुहिम में करीब 3,280 टन खाद्य उत्पाद जब्त किए गए। जिसकी अनुमानित कीमत 81.8 करोड़ रुपये बतायी जाती है। ये अभियान गत एक सितंबर से पांच नवंबर के बीच चलाया गया। नियामक संस्था ने 56,000 अधिक प्रतिष्ठानों की जांच पड़ताल की। इस दौरान खाद्य पदार्थों के 43,939 नमूने भरे गए। दस हजार कारोबारियों को स्थिति में सुधारों के लिये नोटिस जारी किए गए। करीब 1,133 लोगों के लाइसेंस निलंबित किए गए। कुल 52 लोगों के लाइसेंस रद्द किए गए। साथ ही 410 के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। भारत जैसे विशाल देश में ये बरामदगी मिलावट के समुद्र में एक टापू जितनी है। ये आंकड़े बताते हैं कि स्थिति बेहद जटिल है और रोकने के प्रयास कितने कम। सवाल ये भी है कि ये कार्रवाई त्योहारी सीजन में ही क्यों? क्यों यह एक्शन साल भर नहीं चलना चाहिए? दोषी पाये जाने पर सख्त सजा का प्रावधान क्यों नहीं है? अक्सर लाइसेंस के निलंबन या रद्द करने के बाद आरोपी लोग दूसरे संस्थान व परिवार के अन्य सदस्य के नाम से संस्थान खोलकर फिर मिलावट के खेल में लग जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, ये नतीजे पंजाब और हरियाणा के लिये भी बेहद चिंताजनक हैं, जहां खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण इस क्षेत्र की बड़ी डेयरी अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं का भरोसा डिग रहा है। इसका खमियाजा उन निर्दोष लोगों को भुगतना पड़ता है, जो नहीं जानते कि वे एक धीमा जहर खरीद रहे हैं। पंजाब में दूध व डेयरी उत्पादों के नमूनों में भारी कमियां पाई गई हैं। हरियाणा में करीब पचास हजार किलोग्राम मिलावटी मिठाइयां और पनीर नष्ट किया गया है। नूंह में मिलावटी व हानिकारक पनीर की बरामदगी चिंता बढ़ाने वाली है। जो बताता है कि मुनाफा कमाने के लिये कुछ लोग किस हद तक गिर सकते हैं। निस्संदेह, ऐसी कार्रवाई को त्योहारी सीजन तक या फिर लोगों की शिकायत करने तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। सही मायने में दूध व उससे बने उत्पादों, खाद्य तेल, मसालों और पैकेटबंद खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिये सालभर अभियान चलाये जाने चाहिए। साथ ही राज्यों में खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभागों को बेहतर सुविधा वाली आधुनिक प्रयोगशालाएं उपलब्ध करायी जानी चाहिए। जांच–पड़ताल के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की नियुक्तियां हों, उनके कानूनी अधिकार बढ़ाए जाएं तथा जांच के बाद तय समय–सीमा के भीतर कानूनी कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए। रडार पर वे लोग रहें जो ऐसे अपराध बार–बार करते हैं। इसके अलावा संबंधित विभागों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई में जो सैंपल फेल हुए, जिन प्रतिष्ठानों ने मिलावट की और जिनके खिलाफ कार्रवाई हुई, उस जानकारी को उपभोक्ताओं के हित में सार्वजनिक किया जाना चाहिए। निस्संदेह, ये घटिया काम जनस्वास्थ्य से अक्षम्य खिलवाड़ हैं, दोषियों को गंभीर अपराध जैसा दंड भी मिलना चाहिए। जब हम भारत को वैश्विक खाद्य–प्रसंस्करण केंद्र बनाने के सपने देखते हैं तो खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के मानक भी भरोसेमंद होने चाहिए। साथ ही मानकों को सख्ती से लागू भी किया जाना चाहिए। सरकारों व नियामक संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उपभोक्ता की थाली में जो भी खाना पहुंचे, वह सुरक्षित हो।

मोदी का शर्मनाक बयान

डॉ. दीपक पाचपोर

यह सही है कि हिंदुओं के लिए दीपावली सबसे बड़ा त्योहार है, इस दिन लक्ष्मी मां की पूजा की जाती है। लेकिन पांच दिनों के इस त्योहार का संबंध कृषक बहुल भारतीय समाज से है।

दीपावली के मौके पर देश के दो बड़े नेताओं के बयानों पर सियासत तेज है। एक बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का है, जिसमें उन्होंने दिमागी नक्सल शब्द का फिर से प्रयोग किया। वहीं दूसरा बयान कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे का है, उन्होंने दीपावली को खुशियों की ईद बताया। पहले बात खड़गे साहब के बयान की करते हैं। भाजपा को इस बात पर आपत्ति हुई कि हिंदुओं के त्योहार दीपावली की बधाई देने के लिए ईद शब्द का इस्तेमाल क्यों किया गया। यह सही है कि हिंदुओं के लिए दीपावली सबसे बड़ा त्योहार है, इस दिन लक्ष्मी मां की पूजा की जाती है। लेकिन पांच दिनों के इस त्योहार का संबंध कृषक बहुल भारतीय समाज से है। जिसमें फसल कटाई के बाद मिले फुर्सत के पलों में किसान वर्ग उत्सव मनाता है, साथ ही गौ वंश की पूजा भी करता है। विविधता भरे भारतीय समाज में दीपावली मनाने के भी कई तरीके हैं। दूसरी और सबसे अहम बात खुशियों की ईद कहना तुष्टिकरण नहीं है, जैसा आरोप भाजपा ने लगाया है। ईद उर्दू का शब्द है, जिसका हिंदी अर्थ त्योहार या पर्व ही है। तो दीपावली खुशियों का पर्व है या ईद है, इसका एक ही मतलब है। जैसे हम बधाई दें, शुभकामनाएं दें या मुबारकबाद कहें, उससे भावनाएं नहीं बदलती, केवल लफ्ज बदल जाते हैं। लेकिन नफरत में डूब चुकी भाजपा ने हिंदुस्तान की इस मिली–जुली संस्कृति से एकदम आंखें फेर ली हैं और चाहती है कि सारा देश उसी नफरत का शिकार हो जाए। अब दूसरे बयान पर आते हैं, जिसमें प्रधानमंत्री ने फिर से नकारात्मक राजनीति की पराकाष्ठा दिखाई है। नरेन्द्र मोदी ने इस बार दीपावली के लिए छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके को चुना। वहां सुरक्षाबलों के बीच जाकर दीपावली मनाई। कुछ समय पहले ही गृहमंत्री अमित शाह ने देश को 31 मार्च 2026 को नक्सलमुक्त घोषित किया है। अगर इस दावे में पूरी सच्चाई है तो यह बहुत बड़ी राहत है। क्योंकि नक्सलवाद के प्रभाव में जो अविचारित हिंसा की गई, उसमें हजारों मासूम जानें असमय चली गईं और लाखों लोगों की जिंदगी प्रभावित हुई। खासकर बस्तर के इलाके में नक्सलवाद का असर ऐसा हुआ कि सहज, सामान्य जिंदगी ही निश्छल–निर्दोष आदिवासियों से छीन ली गई। उन्हें उनकी ही जमीनों पर कभी अपराधी, कभी मुखबिर, कभी शिकार बनाकर शोषित–प्रताड़ित किया गया। मानवाधिकारों की जमकर धज्जियां बस्तर में सालों–साल उड़ाई गईं। नक्सलवाद राजनीतिक तौर पर संवेदनशील विषय बन गया, लेकिन जब बात समाधान की आई तो संवेदनाएं सिरे से गायब रहीं। आदिवासियों के साथ–साथ सुरक्षाबलों के लिए बस्तर में हमेशा चुनौती विकराल रही। फैसले तो सत्ता पर बैठे लोग लेते रहे, लेकिन मोर्चे पर जान सुरक्षाबलों के जवानों की दांव पर लगी। कितने ऐसे हमले हुए जिसमें सुरक्षा जवान शहीद हुए। ऐसे बस्तर में जाकर प्रधानमंत्री मोदी ने एक बेहूदा राजनीतिक बयान दिया कि श्हथियारबंद नक्सली जंगलों से गायब हो गए हैं, लेकिन श्दिमागी नक्सलियोंश ने कई संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है। आज भी वे देश के संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ लोगों को भड़का रहे हैं। उन्होंने कई राजनीतिक दलों और अलग–अलग संगठनों में घुसपैठ की है। हमें उन्हें पहचानना होगा, हराना होगा और देश को सुरक्षित रखना होगा। दुख की बात यह है कि प्रधानमंत्री ने सैन्यवर्दी में ही यह बयान दिया। जिस वर्दी को हासिल करने के लिए जवान अथक मेहनत करते हैं और तब जाकर उसे कमाते हैं, वह वर्दी मोदी ने महज अपने पद का रौब दिखाते हुए यूं ही पहन ली। ऐसे में उन्हें इस वर्दी के मान और गंभीरता का अंदाज कहां से होगा। एक और गलत काम मोदी ने यह किया कि सुरक्षा बल की महिलाकर्मियों का नृत्य उनके लिए हुआ और वे उसका आनंद लेते दिखे। उन्होंने इसके लिए मना नहीं किया। वैसे मोदी ने जो बयान दिया, वह भी प्रधानमंत्री पद की गरिमा और गंभीरता के मुताबिक नहीं है। सैन्यबल किसी एक पार्टी के लिए काम नहीं करता, न किसी राजनैतिक दल की विचारधारा उस पर थोपी जानी चाहिए। यह काम तानाशाही वाले देशों में होता है, भारत में इसके लिए जगह नहीं है। दीपावली पर मोदी खुशी और प्रेम बढ़ाने वाला भाषण भी दे सकते थे। लेकिन वोट चोरी के खिलाफ छिड़े आंदोलन से वो ऐसे खौफजदा हैं कि अब सेना को भाजपा के मकसद के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे पहले लालकिले से उन्होंने दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल किया था, फिर 5 सितंबर को दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के 100वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम में उन्होंने इसी जुमले का इस्तेमाल किया था। अब बस्तर जाकर भी अपने राजनैतिक विरोधियों को दिमागी नक्सल मोदी कह रहे हैं। इस बयान को गंभीरता से विश्लेषित करें तो यह असल में अपने ही देशवासियों के खिलाफ सेना को उकसाने का अपराध है। और मोदी इसे सरेआम अंजाम दे रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि नफरत में पगा समाज इस पर खुश होगा। हालांकि जब तक समाज को इसके नुकसान समझ आएंगे, देर हो चुकी होगी। कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजित दिपके ने एक अहम संदेश नरेन्द्र मोदी के लिए दिया है कि दिवाली भारत के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। ऐसे अवसर पर लोगों के बीच प्रेम, खुशी और सद्भाव की बातें होनी चाहिए।

बीजेपी के साथ जाते ही ब्राह्मणों का राजनीतिक पराभाव-पी के

शकील अख्तर

बिहार की सांस्कृतिक राजधानी मानी जाने वाले मिथिलांचल में प्रशांत किशोर ने उल्टी बहाई जा रही गंगा को सीधा कर दिया। राजनीति में अब ऐसा कम होता है जब एक छोटा सा भाषण भी ट्रेंड सेटर बन जाता है। कहा उन्होंने बिहार में है मगर अभी जिन सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होना है उन में अगर राजनीतिक दलों ने उसे सही से उठा लिया तो वह एक गेम चेंजिग भाषण बन सकता है। बीजेपी के सारे नफरती और विभाजनकारी अजेंडे की हवा निकाल देने वाला। बिहार के भी और मिथिलांचल के तो सबसे ऐतिहासिक शहर जिले दरभंगा के गांव महिनाम में ब्राह्मण समाज के एक कार्यक्रम में प्रशांत किशोर ने बहुत साफ शब्दों में कहा कि आप लोगों ने भाजपा का झंडा उठाकर अपना राजनीतिक वर्चस्व खत्म कर लिया। शिक्षा नौकरी सामाजिक सम्मान जो सब कुछ आप के पास था वह भाजपा के साथ जाने से सब खत्म हो गया। प्रशांत किशोर के साथ बहुत सारी असहमतियां होंगी मगर यह बात स्वीकार करना पड़ेगी कि उनके पास डाटा है। वही डाटा जिसको लेकर अमेरिका से चीन तक होड़ लगी हुई है। और सब भारत से सारा डाटा खींच लेना चाहते हैं। मगर पीके के नाम से मशहूर उनका काम राजनीतिक पार्टियों को जातिगत सामाजिक आधार पर आंकड़ों के जरिए जीत के रास्ते बताने का ऐसा है कि उन्होंने इसके लिए देश भर का मगर खासतौर से हिन्दी प्रदेशों का डाटा सब इकठ्ठा कर रखा है। और उनकी टीम लगातार इसे अपडेट करती रहती है। उन्हीं की टीम के एक सदस्य सुनील कनुगोलू कांग्रेस के लिए भी काम करते रहे है लेकिन उसका आउटकम (अच्छा नतीजा) कभी नहीं आ पाया। खैर तो भारत में चुनावों के लिए सबसे पहले डाटा इकठ्ठा करने और उसका राजनीतिक लाभ हानि के हिसाब से विश्लेषण करने का काम प्रशांत किशोर ने किया। इसलिए उनके पास आंकड़े बहुत सटीक हैं। और उसका सही इस्तेमाल करते हुए उन्होंने वहां ब्राह्मणों से कहा कि जनसंख्या में आप लोग कम हैं केवल तीन प्रतिशत मगर प्रभाव बहुत ज्यादा है। आपकी शिक्षा और सबके साथ मिलकर रहने की वजह से। लेकिन जब से आप भाजपा के साथ गए हो मुस्लिम जो कि 18 –20 प्रतिशत हैं उन्हें सोशल मीडिया पर गालियां देना शुरू कर दिया। आपके तीन प्रतिशत और कहीं कहीं वह ढाई भी हैं वोटों से क्या आप चुनाव जीतोगे? मुस्लिम के अलावा समाज के दूसरे अति पिछड़े के साथ भी अच्छे संबंध थे। शादी ब्याह में जैसे आपका स्थान होता है नाई (वह न्यौता देने से लेकर लड़के और लड़की वालों के बीच संदेशों का आदान प्रदान करना और तमाम काम जिसमें उनकी महिलाओं की भूमिका भी होती है) का भी होता है। वह आपके साथ बैठता था। आज उसे और उसकी तरह दूसरे अति पिछड़े समाज को भी आपने बीजेपी के प्रभाव में दूर कर दिया। मिला क्या आपको? राजनीति में महत्वहीन और बच्चे आपके दस हजार बीस हजार की नौकरी के लिए भटक रहे हैं। बस बीजेपी का झंडा है आपके हाथ में और जो कलम कभी अपने बच्चों को और दूसरों को शिक्षा देती थी उसके बदले आपको फरसे की चाह! आप का मूल स्वाभाव क्या लड़ना भिड़ना है या शिक्षा, ज्ञान, संस्कार? भाजपा ने दंगाई बना दिया आपको। वे कह सकते हैं। खुद ब्राह्मण हैं। प्रशांत कुमार पांडेय। अपने समाज से उठी आवाज लोग ज्यादा सुनते हैं। हालांकि खरी खरी बातों की प्रतिक्रिया भी होती है। मगर अपने अंदर से उठी आवाज को दबाना मुश्किल होता है। इसलिए प्रशांत किशोर की यह आवाज दूर दूर तक जा रही है। उत्तर प्रदेश में भी जहां ब्राह्मण सबसे ज्यादा अपने साथ जातिय भेदभाव की शिकायत कर रहा है।और पिछले दस साल में अन्याय और अत्याचार के उसके पास बहुत मामले हैं। मगर यहां भी मुस्लिम के साथ हम ऐसा कर रहे हैं कहकर उससे उसके उपर हुए जुल्मों को भूल जाने को कहा जा रहा है। बिहार में जहां प्रशांत किशोर ब्राहम्णों को चेता रहे हैं वहां उनकी आबादी खुद उनके अनुसार 3 प्रतिशत है। लेकिन उत्तर प्रदेश में दस प्रतिशत से ज्यादा। बिहार में तो जातीय गणना हो चुकी है इसलिए वहां का आंकड़ा ठीक ही है। मगर उत्तर प्रदेश में तो यह अलग अलग आकलनों के हिसाब से 10 से लेकर 14 प्रतिशत तक बताया जाता है। प्रशांत किशोर ने यहां कांग्रेस के लिए काम किया है। उनके पास सही आंकड़े होंगे। अगर वह अपने इसी दरभंगा वाले भाषण के साथ उत्तर प्रदेश में किसी ब्राह्मण सम्मेलन में आते हैं तो यहां का सही आंकड़ा बता सकते हैं। लेकिन मुस्लिम का जो आंकड़ा उन्होंने बिहार में बताया है 18 –20 प्रतिशत वही यूपी में भी है। प्रशांत किशोर ने ब्राह्मणों से कहा क्या? उन्होंने पूछा कि मुस्लिम से आपका झगड़ा क्या है? एकदम मूल सवाल। क्या आरक्षण का है? जमीन का है? किस बात का झगड़ा? इसका कोई जवाब नहीं है। भाजपा ने मुस्लिम के खिलाफ नफरत फैला रखी है। उसी के शिकार ब्राह्मण हैं। खुद अपने समाज से यह बात पीके ने कही। सब को कहना चाहिए। सब नेताओं को अपने समाज से पूछना चाहिए। भाजपा ने नफरत और विभाजन फैलाकर हर समाज को कमजोर कर दिया है। शिक्षा नौकरी, रोजगार, महंगाई आम जनता की रोजमर्रा की तकलीफों से जुड़े हर सवाल का जवाब इनके पास नमाज, अजान, टोपी, दाढ़ी, मदरसा है। चूंकि राजनीतिक मानसिकता जन विरोधी है। जनता के लिए कोई काम नहीं कर सकते तो उसे डाइवर्ट करते हैं। हिन्दू मुसलमान में। अब तो मुख्यमंत्री योगी बहुत साफ शब्दों में 80 – 20 की बात करने लगे। लेकिन जैसा कि प्रशांत किशोर ने कहा कि हम ब्राह्मणों का राजनीतिक समर्थन 20 (मुस्लिम) करता था तो हमारे पास राजनीतिक ताकत होती थी ऐसा ही अगर दूसरे समाज के खासतौर से दलित कहने लगें तो विभाजन का यह 80 – 20 का नकली पैमाना हवा हो जाएगा। हालांकि जिस 20 की बात सकारात्मक रूप से प्रशांत किशोर कर रहे हैं उसे साथ जोड़ने की, उसके साथ जुड़ने की और योगी नफरत फैलाने के लिए कर रहे हैं, राज्य में और देश में विभाजन बढ़ाने के लिए उसे उसी के समाज से आए औवेसी सबसे ज्यादा बहकाने बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी के 20 प्रतिशत को अलग थलग करने की साजिश को यहां के हिन्दू समाज से तो कोई समर्थन नहीं मिल रहा है मगर दूर दक्षिण से आने वाले औवेसी मुसलमानों का नेतृत्व अलग होना चाहिए कहकर उसकी पूरी मदद कर रहे हैं। भारत जैसे मिले जुले देश में प्रशांत किशोर का साथ लेकर आगे बढ़ने का विचार जनता को प्रभावित कर रहा है। बहुत दिनों बाद कोई एक ऐसा विचार सामने आया है जिस पर सब तरफ बात होना शुरू हो गई है। यह विचार की बीजेपी का झंडा उठाते ही आपका सारा प्रभाव सम्मान खत्म हो गया आप उन्हें गाली देने लगे जिनका आपको हमेशा साथ मिला और उस साथ की वजह से आपकी राजनीतिकशक्ति बनी। क्या मिला आपको? बीजेपी के साथ जो भी समाज जा रहे हैं उनके अंदर से यह सवाल पूछा जाना चाहिए। सही समय आ गया है। 12 साल से ज्यादा हो गए। आम जनता को मिल क्या रहा है। अमेरिका और इजराइल में भी ट्रंप और नेतन्याहू ने यही किया था। फसल काटने के लिए जब हंसिए की जरूरत होती है तो वे खुरपी की बात करने लगते हैं। खेत के बदले खलिहान की। दोनों की पार्टियां अपने अपने देशों में इसलिए चुनाव हार चुकी हैं। जनता के समझने का दौर शुरू हो गया है। प्रशांत किशोर की बात इसलिए हमें अच्छी लगी। अपने लोगों को या व्यापक रूप से पूरी जनता को चेताने वाली। जागो! अगर अब भी सोते रहे तो अपनी आने वाली पूरी पीढ़ी का भविष्य नष्ट कर दोगे। बस हाथ में ?बीजेपी का झंडा रहेगा और मुंह में गाली!

संविधान और लोकतंत्र केखिलाफ लोगों को उकसा तो आप रहे हैं, मोदी जी!

राजेंद्र शर्मा

सरकारी और गैर–सरकारी, हर साधन से अति–प्रचार के जरिए यह तो अब तक करीब–करीब सभी को बताया ही जा चुका है कि प्रधानमंत्री मोदी, दिवाली का त्यौहार सामान्य लोगों की तरह घर पर या संबंधियों–मित्रों के साथ न मनाकर, किसी न किसी मोर्चे पर जाकर वहां तैनात सैनिकों तथा अफसरों के साथ मनाते हैं, जिससे उनकी त्यौहार पर घर से दूर होने की पीड़ा को कम कर सकें। एक और बात याद रखना, नक्सली खत्म हुए हैं, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। जंगलों में हथियारी नक्सली तो मिट गए, लेकिन दिमागी नक्सलियों ने कई संगठनों पर कब्जा कर रखा है। वे आज भी देश के संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ लोगों को उकसा रहे हैं। कई राजनीतिक दलों में, अलग–अलग संगठनों में भी इन दिमागी नक्सलियों ने अपनी घुसपैठ कर ली है। हमें इन्हें पहचानना है। इन्हें परास्त करना है। और देश को सुरक्षित करना है। ये शब्द प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हैं, इस पर शायद ही किसी को हैरानी होगी। लेकिन, इस पर बहुतों को हैरानी हो सकती है, हालांकि पिछले कई साल के अनुभव को देखते हुए इस पर भी हैरानी होनी नहीं चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी, कथित दिमागी नक्सलियों को पहचानने और परास्त करने का यह आह्वान, दीपावली के जश्न के दौरान कर रहे थे। इस पर शायद और भी ज्यादा लोगों को हैरानी होगी कि प्रधानमंत्री मोदी यह आह्वान, अपनी पार्टी की किसी राजनीतिक सभा में जुटे कार्यकर्ताओं से नहीं बल्कि केंद्रीय सुरक्षा बलों (सीआरपीएफ) की कतारों से कर रहे थे, जिनके साथ खासतौर पर दिवाली मनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे थे। सरकारी और गैर–सरकारी, हर साधन से अति–प्रचार के जरिए यह तो अब तक करीब–करीब सभी को बताया ही जा चुका है कि प्रधानमंत्री मोदी, दिवाली का त्यौहार सामान्य लोगों की तरह घर पर या संबंधियों–मित्रों के साथ न मनाकर, किसी न किसी मोर्चे पर जाकर वहां तैनात सैनिकों तथा अफसरों के साथ मनाते हैं, जिससे उनकी त्यौहार पर घर से दूर होने की पीड़ा को कम कर सकें। यह भी अब तक सभी जान ही चुके हैं कि अपने से पहले के सभी प्रधानमंत्रियों से भिन्न, नरेंद्र मोदी ऐसे हरेक मौके पर सैन्य अधिकारियों की पोशाक में सज कर पहुंचते हैं, ताकि वर्दी में तैनात जवानों को उनके बीच से ही होने का एहसास करा सकें। यह दूसरी बात है कि पोशाक की समानता का यह शाही दिखावा भी तुरंत ही तभी खुल जाता है, जब प्रधानमंत्री मोदी अपने हिसाब से इन फौजियों का त्यौहार मनवाने के लिए, अपने हैलीकोप्टर से उतरते हैं। हां! इस दिवाली पर जो हुआ, वह खुद मोदी के अब तक के शाही शान–शौकत के प्रदर्शनों से भी, बहुत आगे का मामला था। इस बार, अपने साथ दिवाली मनाने पहुंचे मोदी के स्वागत–सत्कार के लिए, सीआरपीएफ को अपने महिलाकर्मियों की एक पूरी नर्तक पलटन तैयार करनी पड़ी थी, जिसने प्रधानमंत्री के गिर्द घेरा बनाकर, समूह नृत्य के जरिए प्रधानमंत्री का स्वागत किया था। बहुतों को पूरा दृश्य ही राजशाही की याद दिलाने वाला लगा तो इसमें, अचरज की बात नहीं होनी चाहिए। फिर भी, प्रधानमंत्री मोदी के त्यौहार मनाने के लिए सीमाओं पर तैनात जवानों के बीच पहुंचने की उदारता के बखान के तूमार से अक्सर यह दबा ही दिया जाता है कि त्यौहार मनाने के नाम पर, देश की सीमाओं के रक्षकों के बीच पहुंचकर, प्रधानमंत्री मोदी वास्तव में कहते और करते क्या हैं? उन्हें अपना भक्त बनाने के अलावा क्या करने के लिए उत्प्रेरित और उत्साहित करते हैं? बेशक, ऐसे मौके पर कोई भी प्रमुख नेता, वर्दीधारी जवानों के त्याग तथा बलिदान की सराहना कर, उनका मनोबल बढ़ाने का काम करेगा। और देश के सामने उपस्थित चुनौतियों को रेखांकित करते हुए, उनका मुकाबला करने के लिए प्रयासों को केंद्रित करने का आह्वान भी करेगा। लेकिन, इस सबसे भिन्न रूप से सरकारी और दलगत आयोजनों के अंतर को एक प्रकार से मिटा ही देने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने, रक्षाबलों से अपने संबोधनों में अपने शासन की महत्ता के बखान को, अपने से पहले की सरकारों तथा अपने राजनीतिक विरोधियों पर हमले करने का, बार–बार मौका बनाया है। लेकिन, इस बार मोदी ने बस्तर में सीआरपीएफ के कोबरा बलों से अपने संबोधन में, अपनी शुद्घ राजनीतिक मैसेजिंग को जिस खतरनाक स्तर पर पहुंचा दिया है, वह खुद नरेंद्र मोदी के पैमाने से अभूतपूर्व है। बेशक, कोई कह सकता है कि इस बार दिवाली पर प्रधानमंत्री मोदी चूंकि छत्तीसगढ़ में बस्तर में तैनात रक्षा बलों के बीच पहुंचे थे और बस्तर में इन रक्षा बलों का मुख्य काम माओवाद की चुनौती का सामना करना करना रहा था, इसलिए उनके दिवाली संबोधन का फोकस माओवाद का मुकाबला करने में इन बलों की सफलता पर उन्हें शाबाशी देने पर होना स्वाभाविक था। लेकिन, प्रधानमंत्री के संबोधन का जो हिस्सा हमने शुरू में ही उद्धृत किया है, उस पर एक नजर डालने से ही स्पष्ट हो जाता है कि यह माओवाद का मुकाबला करने पर फोकस होने का मामला तो है ही नहीं। उल्टे हाथ की सफाई दिखाते हुए प्रधानमंत्री मोदी, सोचे–समझे तरीके से माओवाद को विपक्ष मात्र के साथ मिला देते हैं, ताकि विपक्ष के खिलाफ अपने दमनकारी तौर–तरीकों का सहारा लेने को सही ठहरा सकें। ऐसा नरेंद्र मोदी, माओवाद और नक्सलवाद को जबरन समानार्थी बनाने के अलावा, दो–तीन चरणों में करते हैं। पहले वह, हथियारी नक्सल और कथित दिमागी नक्सल से मिला देते हैं, जो इस अर्थ में एक लंबी छलांग है कि कथित हथियारी नक्सलों के हथियारों से राज्य की सत्ता को चुनौती देने से भिन्न, अगर कोई कथित दिमागी नक्सल वर्तमान सत्ता को वैचारिक चुनौती देता भी है, भारत का संविधान उसे ऐसा करने की पूरी स्वतंत्रता देता है। मूलतरू इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने पुरानी राजद्रोह की धारा को एक प्रकार से अवैधानिक करार देते हुए, उसके तहत हर प्रकार के मामलों पर रोक भी लगा दी थी। यह दूसरी बात है कि मोदी की हुकूमत के नये फौजदारी कानूनों में, नाम बदलकर और पहले से भी ज्यादा स्वतंत्रताहारी तरीके से, उक्त राजद्रोह कानून को वापस ले आया गया है और संवैधानिक अदालत इसकी समीक्षा करने के लिए समय ही नहीं निकाल पायी है। दूसरी बड़ी छलांग में नरेंद्र मोदी, यह दावा करने के जरिए कि दिमागी नक्सलियों ने कई संगठनों पर कब्जा कर रखा है... कई राजनीतिक दलों में, अलग–अलग संगठनों में भी इन दिमागी नक्सलियों ने अपनी घुसपैठ कर ली है आदि, अपने राजनीतिक विरोधियों से लेकर, तरह–तरह के सामाजिक व अन्य संगठनों तक, अपने शासन के सभी आलोचकों को दिमागी नक्सली करार दे देते हैं। और तीसरी छलांग में प्रधानमंत्री मोदी यह दावा करने के जरिए कि वे यानी कथित दिमागी नक्सल आज भी देश के संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ लोगों को उकसा रहे हैं, अपने निजाम के खिलाफ जनता के विभिन्न हिस्सों के बढ़ते आंदोलनों को और खासतौर पर चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता के ही सवाल पर, चुनाव आयोग की एसआइआर की प्रक्रिया को रद्द करने तथा मतदाता सूचियों के शुद्घीकरण के नाम पर हुई सरासर सत्तापक्ष–समर्थक मनमानी के लिए जिम्मेदार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर, देश भर में बढ़ते जन–आंदोलन को ही, माओवादी का लेबल लगाकर बदनाम करने की कोशिश करते हैं।

अब बस हो गया... दूसरी प्रेग्नेंसी के बीच कियारा आडवाणी ने बेबी बंप पर हाथ रखते हुए दिया बड़ा इशारा, पति सिद्धार्थ भी नहीं रोक पाए हंसी



> कियारा और सिद्धार्थ कॉफी विद करण सीजन 9 में पहली बार एक साथ टीवी पर नजर आने वाले हैं। मेकर्स द्वारा जारी किए गए इस एपिसोड के नए प्रोमो में, होस्ट करण जौहर के साथ इस कपल की मजेदार केमिस्ट्री की झलक देखने को मिलती है।

अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने कॉफी विद करण के आने वाले एपिसोड में अपने पति और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपनी डेट नाइट्स के बारे में मजाक करते हुए यह इशारा किया कि वह अब और प्रेगनेंसी नहीं चाहतीं। कियारा और सिद्धार्थ कॉफी विद करण सीजन 9 में पहली बार एक साथ टीवी पर नजर आने वाले हैं। मेकर्स द्वारा जारी किए गए इस एपिसोड के नए प्रोमो में, होस्ट करण जौहर के साथ इस कपल की मजेदार केमिस्ट्री की झलक देखने को मिलती है। बातचीत के दौरान, करण ने इस कपल से पूछा कि वे कैसे पक्का करते हैं कि उनकी डेट नाइट्स सिर्फ डेजर्ट (मीठे) पर ही खत्म न हो जाएं। अपना बेबी बंप सहलाते हुए कियारा ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, अब बस हो गया, जिसे सुनकर सिद्धार्थ और करण जोर से हंस पड़े। इसके बाद बातचीत इस तरफ मुड़ी कि क्या यह कपल किसी खास किरदार का रोलप्ले करना चाहेगा। सिद्धार्थ ने अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बीच एक लकीर खींचते हुए कहा, हम अपने काम को घर पर नहीं लाना चाहते, और बेडरूम में तो बिल्कुल भी नहीं ! प्रोमो में यह कपल अपनी शादी के बारे में भी बात करता नजर आता है। साथ ही, वे उस मजेदार पल को याद करते हैं जब एक डांस परफॉरमेंस के दौरान शाहिद कपूर मंच पर आने की कोशिश करते हैं, तो करण उन्हें मजाक में मंच से हटा देते हैं। शो में एंट्री करते समय, कियारा पहली बार नेशनल टेलीविजन पर अपना बेबी बंप दिखाती नजर आईं। अपनी दूसरी प्रेगनेंसी की घोषणा के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक रूप से बेबी बंप दिखाने का मौका था। कियारा और सिद्धार्थ दूसरी बार माता–पिता बनने जा रहे हैं। उन्होंने कुछ महीने पहले सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपनी दूसरी प्रेगनेंसी की घोषणा की थी। उस पोस्ट में उन्होंने बच्चों के जूतों की दो जोड़ियों की एक तस्वीर शेयर की थी, जिसके साथ लिखा था, हमारी जिंदगी का सबसे बड़ा तोहफा। जल्द आ रहा है। कियारा और सिद्धार्थ पहले से ही अपनी बेटी सियारा के माता–पिता हैं, जिसका जन्म 2025 में हुआ था। इस जोड़े ने फरवरी 2023 में जैसलमेर के सूर्यगढ़ में एक निजी समारोह में शादी की थी। इससे पहले, फिल्म शेरशाह के सेट पर प्यार में पड़ने के बाद, वे कुछ सालों तक एक–दूसरे को डेट कर रहे थे।



गुलशन कुमार की हत्या के बाद बदल गई पूरी म्यूजिक इंडस्ट्री, सिंगर कुमार सानू का छलका दर्द

मशहूर प्लेबैक सिंगर कुमार सानू, जिन्होंने हाल ही में सुनियो जरा गाने को अपनी आवाज दी है, ने कहा है कि म्यूजिक मुगल गुलशन कुमार की हत्या का म्यूजिक इंडस्ट्री पर बहुत बुरा असर पड़ा। इस अनुभवी गायक ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में स्थित अपने घर पर, गाने के प्रमोशन के दौरान एएनआई से बातचीत की। ब उनसे पूछा गया कि गुलशन कुमार की हत्या के बाद म्यूजिक इंडस्ट्री में क्या बदलाव आए, तो उन्होंने कहा, हालात बहुत खराब हो गए थे। जब तक वे हमारे बीच थे, वह हिंदी फिल्म संगीत का श्स्वर्ण युगश था। वे सिर्फ एक संगीत प्रेमी या बिजनेसमैन ही नहीं थे, बल्कि उससे कहीं बढ़कर थे। उनके पास इतनी स्पष्ट सोच थी कि वे पहले ही भांप लेते थे कि कौन सा संगीत हिट होगा। दूसरी बात, उन्हें पता था कि संगीत को आम लोगों तक कैसे पहुंचाना है और दुनिया भर में कैसे फैलाना है। यह हुनर घ्छउनसे बेहतर किसी और के पास नहीं था। आज भी किसी के पास ऐसा हुनर घ्छनहीं है। मैं बस यूं ही नहीं कह रहा कि वे मेरे गॉडफादर थे, वे सच में मेरे गॉडफादर थे। लेकिन अगर आप देखें, तो गुलशन जी के निधन के बाद पूरी इंडस्ट्री ही बदल गई। उन्होंने आगे बताया, कई ऐसी फिल्में थीं जिनका संगीत बिकता था और गुलशन जी उसे खरीद लिया करते थे। इसलिए, उस समय उनका जाना हमारे लिए बहुत दुखद था। और मुझे लगता है कि उसी वजह से सब कुछ धीरे–धीरे बिखर गया। नदीम–श्रवण की जोड़ी भी अलग हो गई। नदीम चले गए। फिर वे सभी संगीत निर्देशक, जो बेहतरीन गाने बनाते थे, उन सभी पर बुरा असर पड़ा। गुलशन जी ही सब कुछ थे। उन्होंने ही हमें सिखाया कि एक गायक को अपने काम के बदले पैसे लेने चाहिए। उन्होंने हमसे कहा था, आपको अपने पैसे लेने चाहिए। आप इतनी मेहनत से क्यों गाते हैं ?। हम गुलशन जी से बहुत कुछ सीखने वाले थे, और हमने सीखा भी था। यकीनन, यह हमारी इंडस्ट्री के लिए एक बहुत बड़ा नुकसान है।

पवन कल्याण की तीसरी शादी टूटने के बीच एक्स वाईफ रेणु देसाई ने किया पोस्ट, बोलीं- गिरे हुए को और मत कुचलो



आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और तेलुगु अभिनेता पवन कल्याण की पूर्व पत्नी, अभिनेत्री रेणु देसाई ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक रहस्यमयी पोस्ट साझा की। उन्होंने लोगों से दयालु होने की अपील करते हुए कहा कि जो लोग पहले से ही मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, उन्हें अपशब्द कहना नैतिक रूप से सही नहीं है। अपने इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट करते हुए रेणु देसाई ने लिखा, जब कोई व्यक्ति मुश्किल समय से गुजर रहा हो, तो उसे और अधिक कोसना या अपशब्द कहना नैतिक रूप से सही नहीं है। जो पहले से ही गिरे हुए हैं, उन्हें और कुचलना अमानवीय है ! उन्होंने आगे कहा, वे चाहे किसी भी स्थिति में हों, यह नहीं भूलना चाहिए कि वे भी इंसान हैं–किसी की संतान, किसी के माता–पिता या किसी के भाई–बहन हैं। उन्होंने आगे लिखा, ष्जब हम खुद कांच के घरों में रहते हैं (जो पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं), तो दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए! लोगों से दयालु और संवेदनशील बनने की अपील करते हुए उन्होंने लिखा, हम सभी इंसान हैं, और इंसान कहलाने के लिए दया और संवेदना सबसे बुनियादी जरूरतें हैं! (सिर्फ इसलिए कि मैंने ये शब्द लिखे हैं, आप लोग बेतुके कयास लगाना शुरू न कर दें, क्योंकि मेरा सच में मानना है कि एक समाज के रूप में हम बेहतर कर सकते हैं)। और नहीं, मुझे दयालु और समझदार बनने के लिए कोई पैसे नहीं मिले हैं। यह बस चीजों को देखने का मेरा अपना नजरिया है, जो मेरे सही ढंग से काम कर रहे दिमाग (प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स) से आता है सोशल मीडिया पर इस पोस्ट ने काफी हलचल मचा दी है, क्योंकि यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और तेलुगु अभिनेता पवन कल्याण और उनकी तीसरी पत्नी अन्ना कोनिडेला ने अलग होने का फैसला किया है। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि पवन कल्याण ने सितंबर 2013 में हैदराबाद के एक सब–रजिस्ट्रार ऑफिस में स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत रूसी नागरिक अन्ना लेझनेवा से शादी की थी। इस जोड़े के दो बच्चे हैं – पोलेना अंजना पवनोवा और मार्क शंकर पवनोविच। अपने शुभचिंतकों और करीबियों के नाम एक संयुक्त बयान में इस जोड़े ने कहा, अपनी जिंदगी का एक लंबा हिस्सा साथ बिताने के बाद, हमने आपसी समझ और सम्मान के साथ अलग होने का फैसला किया है।ष उन्होंने आगे कहा, भले ही हमारी शादी खत्म हो गई है, लेकिन हम अच्छे दोस्त बने रहेंगे और अपने प्यारे बच्चों के लिए समर्पित माता–पिता की भूमिका निभाते रहेंगे। बच्चों की खुशी और भलाई हमेशा हमारी साझा प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने अपने संक्षिप्त बयान के अंत में कहा, ष्जीवन के इस बदलाव के दौर में, हम आपसे समझदारी, दया और हमारी प्राइवेसी (निजता) का सम्मान करने की उम्मीद करते हैं। इस सफर में जो लोग हमारे साथ खड़े रहे, हम उन सभी का दिल से आभार व्यक्त करते हैं। अलग होने के फैसले की घोषणा के तुरंत बाद, अन्ना कोनिडेला ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया। यह खबर स्टार के फैंस और इंडस्ट्री में उनके शुभचिंतकों के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि यह जोड़ा एक–दूसरे के काफी करीब माना जाता था।



'वेट्टुवम' के एक्शन सीन्स के लिए कलाकारों ने बहाया पसीना, पा. रंजीत ने शेयर किया मेकिंग वीडियो

साउथ सिनेमा के चर्चित फिल्ममेकर पा. रंजीत अपनी अगली फिल्म 'वेट्टुवम' के साथ बड़े पर्दे पर एक अलग दुनिया रचने की तैयारी में हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाने के लिए उन्होंने इसका नया बिहाइंड द सीन्स वीडियो जारी किया है। 'सेलिब्रेट रेजिलिएंस' नाम के इस वीडियो में फिल्म के निर्माण के दौरान हुई तैयारियों, कलाकारों की ट्रेनिंग और चुनौतीपूर्ण एक्शन दृश्यों की झलक दिखाई गई है। वीडियो से साफ है कि फिल्म के हर एक्शन सीन को तैयार करने में पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। 'वेट्टुवम' की कहानी ऐसी दुनिया में आगे बढ़ती है, जहां हालात किसी बड़े विनाश के बाद जैसे नजर आते हैं। यहां सत्ता हासिल करने की होड़, गुटों के बीच दुश्मनी और लगातार होने वाले टकराव कहानी का अहम हिस्सा हैं। फिल्म में आदिमुरई और मल्लखंब जैसी पारंपरिक मार्शल आर्ट्स को भी शामिल किया गया है। इन कलाओं को पर्दे पर विश्वसनीय तरीके से दिखाने के लिए कलाकारों ने विशेष ट्रेनिंग ली है। मेकर्स का फोकस एक्शन को वास्तविक और प्रभावशाली बनाए रखने पर रहा है। जारी किए गए वीडियो में एक्शन सीक्वेंस की तैयारी से लेकर उनकी शूटिंग तक के कई पल शामिल हैं। फिल्म के स्टंट और एक्शन दृश्यों की जिम्मेदारी दिलीप सुब्बारायन ने संभाली है। कलाकारों को मुश्किल एक्शन के लिए तैयार करने और हर मूवमेंट को बारीकी से फिल्माने में टीम ने खास मेहनत की है। बीटीएस वीडियो इसी प्रक्रिया को सामने लाता है और दिखाता है कि फिल्म की भव्यता के पीछे कलाकारों के साथ तकनीकी टीम का भी बड़ा योगदान है। पा. रंजीत ने 'वेट्टुवम' की कहानी लिखने के साथ इसका निर्देशन भी किया है। फिल्म में वीआर दिनेश, आर्या, शबीर कल्लारक्कल, शोभिता धुलिपाला और कलैयारासन अहम भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा माइम गोपी, गुरु सोमसुंदरम, जॉन विजय, साई धीना और हरीश उत्तमन भी फिल्म का हिस्सा हैं। अलग–अलग किरदारों के जरिए फिल्म की संघर्ष भरी दुनिया को पर्दे पर पेश किया जाएगा। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी जी. वी. प्रकाश कुमार ने संभाली है। वहीं, रूपेश शाजी सिनेमैटोग्राफी, सेल्वा आर.के. एडिटिंग और एस. एस. मूर्ति प्रोडक्शन डिजाइन से जुड़े हैं। फिल्म को लर्न एंड टीच प्रोडक्शन और नीलम प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया जा रहा है। इसके निर्माता एस. साई देवानंद, एस. साई वेंकटेश्वरन और पा. रंजीत हैं। कबाली', 'काला', 'सरपट्टा परंबराई' और 'थंगालान' जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले पा. रंजीत अब 'वेट्टुवम' के जरिए एक्शन ड्रामा लेकर आ रहे हैं। फिल्म पोंगल 2027 के मौके पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।



तलाक पर बात करने पर भड़कीं माही विज, रोते हुए दी खुली चेतावनी

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 20 में हाई–वोल्टेज ड्रामा और झगड़े लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हाल ही में अरिशफा खान और लव गिल के बीच कैप्टेंसी और काम को लेकर तीखी नोकझोंक देखने को मिली थी, जहां बात खाना छीनने तक पहुंच गई थी। वहीं स्काउट ओपी और यंग के बीच भी तीखी बहस हुई थी। इस हंगामे के बीच मेकर्स ने शो का एक नया प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें माही विज फूट–फूटकर रोती और गुस्से में लव गिल को चेतावनी देती नजर आ रही हैं। नए प्रोमो में माही विज काफी इमोशनल और गुस्से में दिख रही हैं। वह रोते हुए लव गिल से कहती हैं, ष्मेरे तलाक को चर्चा का विषय मत बनाओ। मेरे पति को कभी बीच में मत लाना वरना काट कर रख दूंगी यहां पर।ष इस पर पलटवार करते हुए लव गिल कहती हैं कि माही ने भी उनके लिए घर तोड़ने वाली (होम ब्रेकर) शब्द का इस्तेमाल किया था। इस मुद्दे पर घर के बाकी सदस्य भी माही के खिलाफ खड़े नजर आए। आम्रपाली ने माही को समझाते हुए कहा कि उन्हें लव के लिए होम ब्रेकर जैसा शब्द नहीं बोलना चाहिए था।



लड़कों के वॉर्डरोब में होने चाहिए इन 6 रंगों की शर्ट, लड़कियां स्टाइल देखकर फिदा हो जाएगी

अगर आप भी ट्रेंडी कलर की शर्ट पहनना पसंद करते हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। चाहे डेली वियर हो या फिर कोई ऑकेजन, ऐसे में लड़के शर्ट पहनना पसंद करते हैं। अक्सर शर्ट के रंग को लेकर लड़के काफी कंफ्यूज रहते हैं। शॉपिंग के दौरान किस कलर की शर्ट लेनी जो उनके लुक को सूट करेगी। जब आप शर्ट का चयन करते हैं तो कलर का ध्यान रखना जरुरी होता है। शर्ट का रंग हमारे पर्सनालिटी को शानदार बनाता है। एक अच्छे रंग की शर्ट लुक में चार चांद लगा देता है वहीं, गलत रंग की शर्ट लेने से ओवरऑल लुक को खराब कर देती है। अगर आप इन रंग की शर्ट पहनेंगे तो स्मार्ट दिखेंगे, लड़कियां भी तारीफ करेंगी।

ब्लैक शर्ट

लड़कों को अपनी वॉर्डरोब में एक बेसिक ब्लैक शर्ट जरुर होनी चाहिए। किसी भी ऑकेजन पर ब्लैक शर्ट काफी सुंदर लगती है। यह हमेशा एकदम क्लासी लुक देता है। यह रंग हर स्किन टोन पर सूट करता है।

व्हाइट शर्ट

व्हाइट शर्ट दिखने में सिंपल हो सकती है लेकिन यह लुक को बेहद कमाल कर देती है। इसको आप रोजाना या किसी खास ऑकेजन पर पहन सकते हैं। इसे आप कई तरह से फैशन एक्सपेरिमेंट कर के न्यू लुक क्रिएट कर पहन सकते हैं।

लाइट पिंक शर्ट

यदि आप यह सोचते हैं कि पिंक कलर लड़कियों के लिए है तो आपको अपना टेस्ट बदलने की काफी जरुरत है। सॉफ्ट पिंक कलर लड़कों पर खूब जचते हैं। लड़कियों को लड़को पर पिंक यह रंग काफी पसंद आता है। अगर आप किसी रोमेंटिक डेट पर जाना हो या अपनी क्रश को इंप्रेस करना हो, इस रंग से बेहतर कोई और ऑप्शन हो नहीं सकता।

पाउडर ब्ल्यू शर्ट

इस रंग की शर्ट काफी ट्रेंड में रहती है। पाउडर ब्ल्यू शर्ट दिखने में बेहद क्लासी लगती है और प्रोफेशनल लुक भी देती है। यह शर्ट हर किसी के स्किन टोन पर सूट करती है। इसे आप ऑफिस से लेकर डेट पर भी वियर कर सकते हैं।

ऑलिव ग्रीन शर्ट

ऑलिव ग्रीन शर्ट तो आजकल ट्रेंड में है और यह कलर लड़कों पर खिल के आता है। इस रंग की खूबी है कि ये आपको सबसे अलग दिखाता है। ऑलिव ग्रीन शर्ट आपके वॉर्डरोब में जरुर होनी चाहिए। यह कलर लड़कियों को खूब पसंद आता है।

मैरुन कलर

इन रंगों से हटकर आप मैरुन कलर जरुर ट्राई करें। यह रंग हर स्किन टोन पर मैच करता है और आपके लुक को भी काफी स्टाइलिश बनाता है। मैरुन शर्ट को ब्लैक पेंट या जींस के साथ पहन सकते हैं या फिर व्हाइट फॉर्मल पेंट के साथ मैरुन शर्ट एकदम खिल के नजर आती है।



घर में शांति और सुकून के लिए मंदिर में जरूर रखें ये एक चीज, कभी नहीं होगी धन की कमी

घर के मंदिर में शंख रखना वास्तु के अनुसार बहुत ही शुभ माना जाता है। शंख को भगवान विष्णु का प्रतीक माना गया है, और यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने घर के वातावरण को शुद्ध करने और वास्तु दोष को दूर करने में सहायक होता है। आइए जानते हैं घर के मंदिर में शंख रखने के कुछ प्रमुख वास्तु लाभः

सकारात्मक ऊर्जा का संचार

शंख का नियमित उपयोग और इसकी ध्वनि पूरे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में भी सहायक है और घर के वातावरण को शुद्ध रखता है।

धन और समृद्धि का आगमन

घर के मंदिर में शंख रखने से मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है, जो कि धन और समृद्धि का प्रतीक है। माना जाता है कि शंख बजाने से धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन का आगमन होता है।

स्वास्थ्य लाभ

शंख बजाने से स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी ध्वनि से शरीर में ऑक्सीजन का संचार बेहतर होता है और मानसिक तनाव कम होता है। यह विशेष रूप से दिल और फेफड़ों के लिए फायदेमंद माना जाता है।

वास्तु दोष का निवारण

शंख का उपयोग घर के वास्तु दोष को दूर करने में भी किया जाता है। इसे घर के मंदिर में रखने से वास्तु दोषों के प्रभाव में कमी आती है और नकारात्मक प्रभावों से बचाव होता है।

शांति और सुकून का माहौल

शंख की ध्वनि से मन को शांति मिलती है। घर के सदस्य जब इस ध्वनि को सुनते हैं, तो उनका मन शांत होता है और घर का माहौल सुकून भरा रहता है। इससे परिवार में झगड़े और तनाव कम होते हैं।

धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

शंख का धार्मिक महत्व भी है। पूजा के दौरान इसका उपयोग करने से वातावरण पवित्र होता है और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यह आध्यात्मिक ऊर्जा को भी बढ़ाता है और ध्यान लगाने में सहायक होता है।

बुरी नजर और दोषों से सुरक्षा

ऐसा माना जाता है कि शंख बुरी नजर, नकारात्मक ऊर्जा और बुरे प्रभावों से बचाव करता है। इसे घर के मंदिर में रखने से परिवार के सदस्यों की सुरक्षा होती है और जीवन में सुख–शांति बनी रहती है।

वास्तु के अनुसार, घर के मंदिर में शंख रखना और पूजा में इसका उपयोग करना शुभ फलदायक होता है। इसे पूजा के दौरान साफ पानी या गंगाजल से धोकर भगवान के चरणों में रखना चाहिए।

शादियों के सीजन में डायबिटीज कंट्रोल रखने के आसान टिप्स



सर्दी का मौसम आते ही शादियों का सीजन शुरू हो जाता है, और शादी समारोहों में शामिल होने से हमारी दिनचर्या में बदलाव आता है। खानपान में भी गड़बड़ी हो जाती है, जो खासतौर पर डायबिटीज (मधुमेह) वाले लोगों के लिए समस्या पैदा कर सकती है। अगर आप डायबिटीज से परेशान हैं, तो शादियों के दौरान अपने खानपान और दिनचर्या में कुछ छोटे–छोटे बदलाव करके शुगर लेवल को नियंत्रण में रख सकते हैं।

शादी के दिन नाश्ता संतुलित रखें

अगर आप शादी समारोह में जा रहे हैं, तो दिन की शुरुआत एक संतुलित नाश्ते से करें। पनीर, अंडा, दाल, ओट्स और मिलेट्स (जैसे बाजरा, ज्वार) को अपने नाश्ते में शामिल करें। ये खाद्य पदार्थ शरीर को प्रोटीन और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स देते हैं, जो धीरे–धीरे पचते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखते हैं। इससे ब्लड शुगर में अचानक उतार–चढ़ाव नहीं आता और जल्दी–जल्दी भूख भी नहीं लगती।

सही समय पर भोजन करें

शादी वाले दिन तय समय पर ही भोजन करें, ताकि ओवरईटिंग से बच सकें। अगर भूख लगे, तो छोटे–छोटे हिस्से में भोजन करें, ताकि शुगर कंट्रोल में रहे। नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच करना भी जरूरी है, ताकि आप जान सकें कि आपका शुगर बढ़ रहा है या नहीं।

बुफे में क्या खाएं

जब बुफे में भोजन करें, तो पहले सलाद और कम तेल–मसाले वाली सब्जियां खाएं। यह शरीर को फाइबर देती हैं, जिससे शुगर धीरे–धीरे अवशोषित होती है और ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है। फिर प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ जैसे पनीर, दाल आदि खाएं। रोटी और चावल (कार्बोहाइड्रेट) की मात्रा कम रखें। अगर मिठाई खाना चाहें, तो उसे अंतिम समय में बहुत कम मात्रा में खाएं।

पर्याप्त आराम करें

शादी के कार्यक्रमों में थकान और तनाव होना आम बात है, लेकिन यह ब्लड शुगर को असंतुलित कर सकता है। ऐसे में जरूरी है कि आप बीच–बीच में आराम करें और तनाव से बचें। जब भी मौका मिले, डीप ब्रीदिंग (गहरी सांस) का अभ्यास करें। इससे मानसिक शांति मिलेगी और शुगर कंट्रोल में रहेगा। साथ ही, 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद जरूर लें।

हाइड्रेटेड रहें और एक्टिव रहें

पानी की कमी से भी ब्लड शुगर प्रभावित हो सकता है, इसलिए शादी के दौरान खुद को हाइड्रेटेड रखें। दिनभर में पर्याप्त पानी पिएं और नारियल पानी या हर्बल चाय जैसे हेल्दी पेय का सेवन करें। मीठे पेय और शराब से बचें, क्योंकि इनसे शुगर बढ़ सकता है। इसके अलावा, एक्टिव रहने से भी ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। अगर शादी के समारोह में डांस करने का मौका मिले, तो यह एक बेहतरीन एक्सरसाइज हो सकती है। अगर डांस का समय न हो, तो छोटे–छोटे ब्रेक लेकर हल्की–फुल्की वॉक भी कर सकते हैं। शादियों के दौरान खानपान में बदलाव के कारण डायबिटीज के मरीजों को शुगर कंट्रोल करने में मुश्किल हो सकती है, लेकिन अगर आप ऊपर बताए गए कुछ आसान टिप्स को अपनाएंगे, तो आप शादी समारोहों का आनंद लेते हुए अपनी सेहत का भी ख्याल रख सकते हैं।



दिल्ली–एनसीआर वालों के लिए परफेक्ट वीकेंड स्पॉट! भरतपुर नेशनल पार्क दिलाएगा सुकून

दिल्ली–एनसीआर से वीकेंड ट्रिप के लिए भरतपुर नेशनल पार्क एक शानदार विकल्प है, जहां केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में अक्टूबर से मार्च के बीच रंग–बिरंगे प्रवासी पक्षियों और विविध वन्यजीवों का अद्भुत नजारा मिलता है। यह स्थल शहरी जीवन की भागदौड़ से सुकून और एकांत प्रदान करता है, जिससे परिवार व दोस्तों के साथ प्रकृति का आनंद लिया जा सके।

अगर आप दिल्ली–एनसीआर में रहते हैं और वीकेंड ट्रिप पर जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल सिर्फ आपके लिए है। भागदौड़ भरी जिंदगी से परेशान होकर लोग कुछ समय के लिए सुकून की तलाश करते हैं। रोजाना 9 टू 5 जॉब करके हम सभी का माइंड और बॉडी दोनों ही थक जाती है।

अगर आप वीकेंड पर फैमिली और दोस्तों के साथ समय सुकून बिताना चाहते हैं, तो आप भरतपुर बर्ड सेंचुरी एक्सप्लोर करने जरुर जाएं। यहां पर आपको जंगलों के बीच पक्षियों का सुंदर नजारा और एकांत व सुकून का माहौल देखने को मिलेगा।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी जाने का समय

आपको बता दें कि, भरतपुर बर्ड सेंचुरी का असली नाम केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान है। जो कि भरतपुर जिला राजस्थान में बना हुआ है। वीकेंड के दौरान दिल्ली के आसपास जगहों के लिए ये नेशनल पार्क टॉप पर रहता है। अक्टूबर से लेकर मार्च तक महीने तक यहां समय बीतना बेहद ही खास होता है। इस समय यहां पर लोकल बर्ड के अलावा माइग्रेटेड पक्षी भी आते हैं। यह समय जाने के लिए सबसे बेस्ट है।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी में देखने के लिए क्या–क्या है?

यहां पर आपको प्रवासी पक्षियों में से साइबेरियन सारस, बार हेडेड गीज, पेलिकन और पेंटेड स्टार्क आते हैं। इसके अलावा, लोकल पक्षियों की ढेर सारी वैराइटी भी देखने को मिलती है।

पक्षियों के अतिरिक्त, यहां पर अजगर, मॉनिटर छिपकलियां, कुछ वाइल्ड कैट, गोल्डन सियार, जंगली सुअर, सांभर, हिरण, चितल हिरण भी देखने को मिल जाएंगे। यहां आप कई सारे कछुओं की वैराइटी देख सकते हैं।

भरतपुर में इन जगहों पर घूमें

भरतपुर नेशनल पार्क के अलावा आप यहां पर लोहागढ़ फोर्ट भी टूरिस्ट प्लेस पर घूमने जा सकते हैं। बांके बिहारी मंदिर, भरतपुर पैलेस और म्यूजियम की सैर कर सकते हैं। भरतपुर में लोकप्रिय गंगा मंदिर अपने अनोखे इतिहास के लिए जाना जाता है। यह लगभग 90 साल पुराना है। यहां पर लक्ष्मण मंदिर और गर्वनमेंट म्यूजियम भी देखने के लिए टूरिस्ट जाते हैं।

कैसे पहुंचे भरतपुर

बता दें कि, भरतपुर रेलवे स्टेशन सभी प्रमुख स्टेशनों से पूरी तरह से कनेक्टेड है। दिल्ली से आप भरतपुर ट्रेन पकड़ सकते हैं। दिल्ली से आप बस या फिर प्राइवेट कैब से भी जा सकते हैं। ढाई घंटे में आप यहां आराम से पहुंच जाएंगे।



संक्षिप्त



कैबिनेट ने रबी सीजन के फर्टीलाइजर पर 62,370 करोड़ रुपये सब्सिडी दी मंजूरी

नयी दिल्ली। सरकार ने रबी सत्र 2026–27 के लिए फॉस्फेटिक और पोटाश (पीएंडके) उर्वरकों पर 62,370 करोड़ रुपये की सब्सिडी को बुधवार को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में रबी सत्र 2026–27 (अक्टूबर, 2026 से 31 मार्च, 2027 तक) के लिए फॉस्फेटिक और पोटाश (पीएंडके) उर्वरक पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) की दरें तय करने के उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि मंत्रिमंडल ने पीएंडके उर्वरकों के लिए 62,370 करोड़ रुपये की सब्सिडी मंजूर की है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट और रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण उर्वरकों की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। मंत्री ने कहा कि हालांकि, सरकार ने पर्याप्त उर्वरक सब्सिडी देकर किसानों के हितों की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने भू–राजनीतिक उथल–पुथल से किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान किया है। वैष्णव ने कहा कि डीएपी (डाई–अमोनियम फॉस्फेट) की कीमत 50 किलोग्राम के प्रति बोरे पर 1,350 रुपये पर बरकरार रहेगी। डीएपी और एनपीकेएस (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश और सल्फर) श्रेणी सहित पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी रबी सत्र 2026–27 के लिए मंजूर दरों के आधार पर दी जाएगी। इसका उद्देश्य किसानों को ये पोषक तत्व किफायती कीमतों पर आसानी से उपलब्ध कराना है।

मदर डेयरी ने दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपये की बढ़ोतरी की, नई दरें लागू

मदर डेयरी ने बढ़ती लागत के कारण दूध की कीमतों में दो से चार रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। नई दरें बृहस्पतिवार से लागू होंगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। दिल्ली–एनसीआर में दूध की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी ने इससे पहले 14 मई, 2026 को कीमतें बढ़ाई थीं। उससे पहले अप्रैल, 2025 में कीमतों में संशोधन किया गया था। सूत्रों के अनुसार, मदर डेयरी ने अपने खुले दूध की विभिन्न किस्मों के उपभोक्ता कीमत में दो से चार रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। नई दरें 12 नवंबर से लागू होंगी। मदर डेयरी के प्रवक्ता ने हालांकि इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सूत्रों ने बताया कि किसानों से दूध की खरीद कीमतें बढ़ गई हैं जिसके कारण कंपनी को लागत में हुई वृद्धि का कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालना पड़ रहा है। मदर डेयरी दूध की बिक्री से होने वाली आय का 75–80 प्रतिशत हिस्सा किसानों को देती है। कंपनी दिल्ली–एनसीआर बाजार में प्रतिदिन करीब 35 लाख लीटर दूध बेचती है। कुल मिलाकर, कंपनी प्रतिदिन 50 लाख लीटर से अधिक दूध बेचती है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में टोंड दूध (थोक वितरण) की कीमत 58 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। फुल क्रीम दूध (पाउच) की कीमत अब 72 रुपये से बढ़कर 76 रुपये प्रति लीटर होगी। टोंड दूध (पाउच) की कीमत 60 रुपये से बढ़ाकर 62 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। डबल टोंड दूध की कीमत 54 रुपये से बढ़कर 56 रुपये प्रति लीटर होगी। गाय के दूध की कीमत 62 रुपये से बढ़ाकर 65 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। मदर डेयरी ने बेहतर मांग के दम पर पिछले वित्त वर्ष में अपना कारोबार 17 प्रतिशत बढ़ाकर 20,300 करोड़ रुपये कर लिया था। कंपनी के दूध उत्पादों और खाद्य तेलों की मांग में वृद्धि हुई थी। वर्ष 1974 में स्थापित मदर डेयरी, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है।

वित्त मंत्रालय ने मंत्रालयों को दी म्ट खरीदने की प्राथमिकता, सीमा तय की 20 लाख

वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों से कर्मचारियों के लिए कार खरीदते समय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को सामान्य और प्राथमिक विकल्प बनाने को कहा है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक कार की खरीद के लिए 20 लाख रुपये की कीमत सीमा तय की गई है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और बाजार में मौजूदा कीमतों तथा वाहनों की पूरी उपयोग अवधि की लागत को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक और परंपरागत यानी आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाले वाहनों की खरीद के लिए शुद्ध डीलर कीमत (एनडीपी) की सीमा में बदलाव किया जा रहा है। इसके तहत इलेक्ट्रिक वाहन के लिए एनडीपी की अधिकतम सीमा 20 लाख रुपये तय की गई है, जो पेट्रोल, डीजल और हाइब्रिड वाहन सहित आईसीई वाहनों के लिए तय 10 लाख रुपये की सीमा का दोगुना है। इससे पहले 2022 में जारी दिशानिर्देशों में मंत्रालयों और विभागों के लिए कार खरीदने की कीमत सीमा छह लाख रुपये तय की गई थी। व्यय विभाग ने 10 नवंबर को जारी कार्यालय ज्ञापन में कहा कि आगे से मंत्रालय और विभाग अपनी मौजूदा पेट्रोल–डीजल कारों को हटाने या बदलने के समय सामान्य तौर पर इलेक्ट्रिक वाहन खरीदेंगे। ज्ञापन में कहा गया, वाहनों की खरीद के लिए इलेक्ट्रिक वाहन सामान्य और प्राथमिक विकल्प होंगे। इसमें कहा गया कि यदि कोई मंत्रालय या विभाग इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना या उनका इस्तेमाल करना व्यावहारिक नहीं मानता और पेट्रोल या डीजल वाहन खरीदना चाहता है, तो उसे छूट के लिए ठोस कारणों के साथ व्यय विभाग को प्रस्ताव भेजना होगा। ऐसे प्रत्येक मामले पर अलग–अलग विचार किया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस तरह का प्रस्ताव संबंधित मंत्रालय या विभाग के सचिव की मंजूरी और वित्तीय सलाहकार की सहमति के बाद भेजा जा सकता है। मंत्रालयों और विभागों को इलेक्ट्रिक वाहनों को किराये पर लेने के संबंध में 2022 के दिशानिर्देशों का पालन भी जारी रखना होगा। यदि किसी मामले में पेट्रोल या डीजल वाहन किराये पर लेना जरूरी माना जाता है, तो इसके लिए भी छूट का प्रस्ताव व्यय विभाग को भेजना होगा। प्रत्येक मामले पर अलग–अलग विचार किया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने यह निर्देश इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने के सरकार के प्रयासों के तहत जारी किया है। सरकार स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने और कार्बन उत्सर्जन कम करने पर जोर दे रही है।

IPL 2027 से पहले बड़ा ट्रेड, हार्दिक पंड्या पंजाब किंग्स में शामिल, अर्शदीप सिंह बने मुंबई इंडियंस का हिस्सा

आईपीएल 2027 से पहले मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच बड़ा ट्रेड हुआ है। इसके तहत हार्दिक पंड्या 18 करोड़ रुपये में पंजाब किंग्स से जुड़े हैं, जहां वह श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलेंगे। वहीं, स्टार तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 18 करोड़ रुपये की फीस पर मुंबई इंडियंस में शामिल हो गए हैं।

आईपीएल 2027 के ऑक्शन से पहले क्रिकेट जगत में एक बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच दो बड़े भारतीय स्टार खिलाड़ियों की सीधी अदला–बदली हो गई है। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या अब पंजाब किंग्स की जर्सी में नजर आएंगे, जबकि टी20 स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस का नया हथियार बन गए हैं। दोनों टीमों के बीच यह ट्रेड प्रोसेस पूरी तरह फाइनल हो चुका है।

पंजाब किंग्स से जुड़ते ही हार्दिक की पहली पोस्ट

ट्रेड फाइनल होने के बाद हार्दिक पंड्या ने सोशल मीडिया पर पंजाब किंग्स के रंगों में अपनी पहली तस्वीर शेयर की। उन्होंने फैंस को सत श्री अकाल, पंजाब कहते हुए लिखा, ष्भाई कैप्टन श्रेयस, माई कोच रिकी, माई टीम और पूरा पंजाब... मैं आपके साथ खड़ा हूं।

इस पोस्ट के साथ ही हार्दिक ने साफ कर दिया कि वह पंजाब किंग्स में कप्तान श्रेयस अय्यर और हेड कोच रिकी पोंटिंग के साथ बतौर खिलाड़ी मैदान में उतरेंगे।

मुंबई इंडियंस के साथ खत्म हुआ हार्दिक का दूसरा सफर

हार्दिक पंड्या ने अपने आईपीएल सफर की शुरुआत साल 2015 में मुंबई इंडियंस के साथ ही की थी। वह 2015, 2017, 2019 और 2020 में आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाली मुंबई टीम के अहम सदस्य रहे। साल 2022 में वह गुजरात टाइटन्स चले गए, जहां कप्तान बनते ही उन्होंने पहले ही सीजन में टीम को चौंपियन बनाया और 2023 में रनर–अप रहे। साल 2024 में उनकी मुंबई



इंडियंस में वापसी हुई और उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया। अब एक बार फिर हार्दिक ने नई राह पकड़ी है। अपने आईपीएल करियर में हार्दिक ने 162 मैचों में 146.28 की स्ट्राइक रेट से 2955 रन बनाए हैं और 82 विकेट भी चटकाए हैं।

8 साल बाद पंजाब छोड़ मुंबई आए अर्शदीप सिंह

दूसरी तरफ, टीम इंडिया के भरोसेमंद तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 8 सीजन तक पंजाब किंग्स के साथ रहने के बाद अब मुंबई इंडियंस के बॉलिंग अटैक की अगुवाई करेंगे। अर्शदीप ने 2019 में पंजाब के लिए आईपीएल डेब्यू किया था और वह 96 मैचों में 111 विकेट लेकर फ्रेंचाइजी के सबसे सफल गेंदबाज हैं। अर्शदीप ने आईपीएल 2025 में 21 विकेट और आईपीएल 2026 में 14 विकेट निकाले थे। नई गेंद से शुरुआती स्विंग और डेथ ओवरों में घातक यॉर्कर फेंकने की उनकी कला मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी आक्रमण को काफी मजबूत बनाएगी।

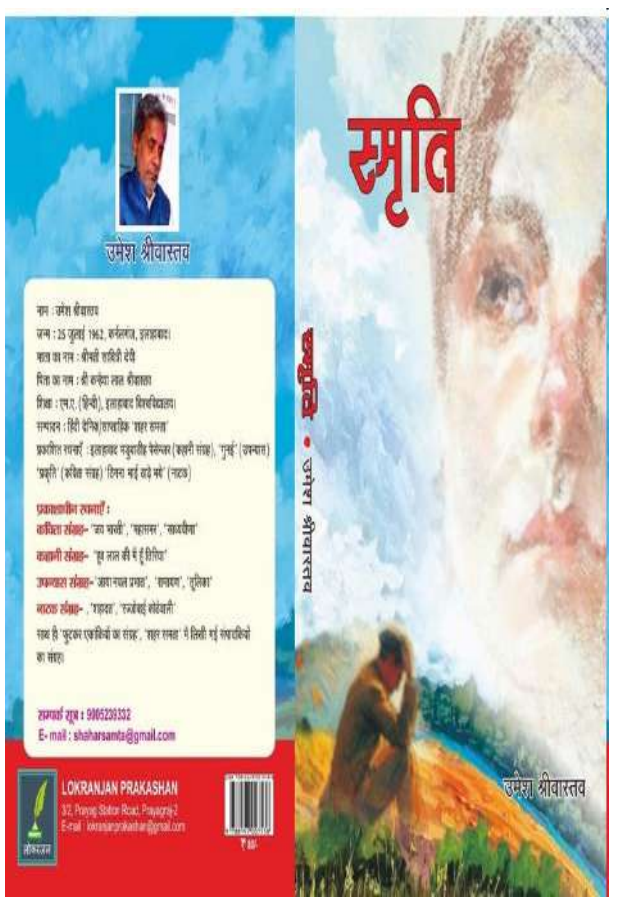
ट्रेड डील और फीस का गणित

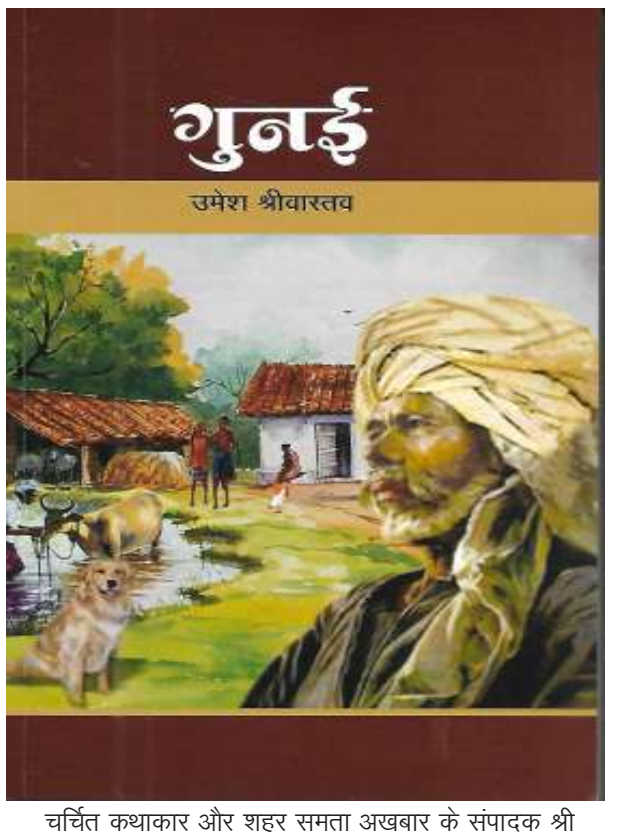
इस बड़े प्लेयर ट्रेड में आर्थिक पहलू भी काफी अहम रहा। पंजाब किंग्स हार्दिक पंड्या को 18 करोड़ रुपये देगी (उनकी पिछली फीस 16.35 करोड़ रुपये थी)। अर्शदीप अपनी मौजूदा 18 करोड़ रुपये की फीस पर ही मुंबई इंडियंस का हिस्सा बनेंगे।

बॉल टेम्परिंग मामले में डैरेन लीमन पर भी लगना चाहिए था बैन, क्रिस ब्रॉड का बयान

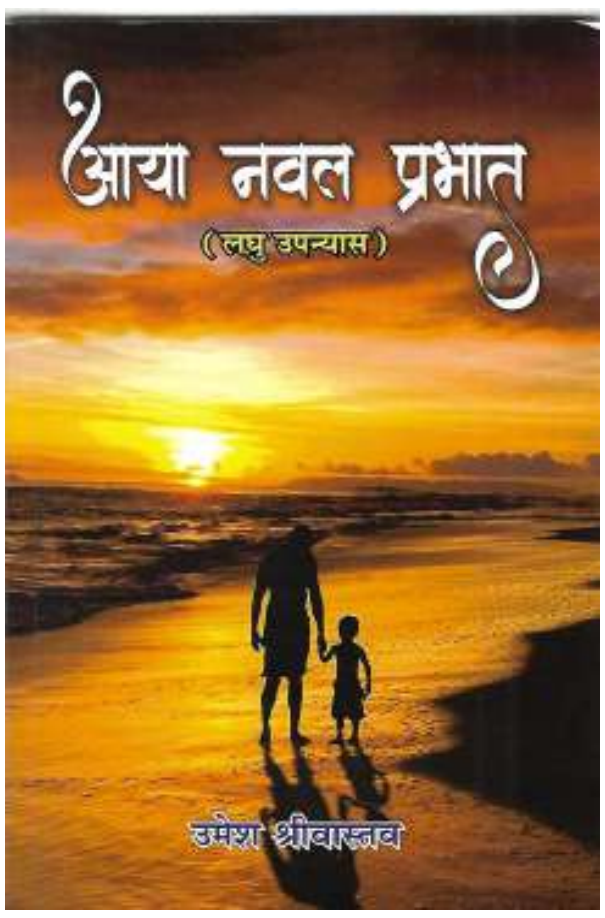
इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने 2018 के गेंद से छेड़छाड़ करने के बहुचर्चित मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच डैरेन लीमन की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के दौरे के दौरान हुई इस घटना के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में खुलासा किया है कि टीम के सभी सदस्यों को सैंडपेपर (रेगमाल) का उपयोग करने की जानकारी थी। ब्रॉड ने इस पर प्रतिक्रिया करते हुए लीमन पर निशाना साधा, जो दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच थे। ब्रॉड ने सवाल उठाया कि वह गेंद से छेड़छाड़ की घटना से कैसे अनजान रह सकते थे। फॉक्स स्पोर्ट्स के अनुसार ब्रॉड ने ट्रैक रेडियो से कहा, ''डैरेन लीमन को निश्चित रूप से इसके बारे में सब कुछ पता था। अगर उन्हें इसके बारे में पता नहीं था तो उन्हें टीम का कोच नहीं होना चाहिए था। मुझे लगता है कि उन्हें कम सजा मिली। यह ठीक है कि उन्होंने कुछ महीनो बाद अपना पद छोड़ दिया था लेकिन उन पर किसी तरह का प्रतिबंध नहीं लगाया गया।'' ब्रॉड ने 2013 की एशेज श्रृंखला के दौरान अपने बेटे और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की लीमन द्वारा की गई आलोचना का भी जिक्र किया। तब ब्रॉड ने स्लिप में कैच देने के बावजूद पवेलियन लौटने से इनकार कर दिया था। लीमन ने बाद में आगाह किया था कि जब इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा तो ऑस्ट्रेलियाई टीम स्टुअर्ट ब्रॉड को दिन में तारे दिखा देगी। ब्रॉड ने कहा, ''और ये रहे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच, जो मैदान पर सैंडपेपर लेकर आए और इस घटना की जानकारी होने से साफ इनकार कर रहे हैं। इस मामले में मैं डैरेन लीमन से बेहद खफा हूं।'' यह विवाद 2018 में केप टाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दौरान सामने आया, जब कैमरन बैनक्रॉफ्ट को सैंडपेपर का इस्तेमाल करके गेंद की स्थिति बदलने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। इसके बाद तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और उप–कप्तान डेविड वार्नर पर एक साल का प्रतिबंध लगा दिया गया था, जबकि बैनक्रॉफ्ट को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से नौ महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था।

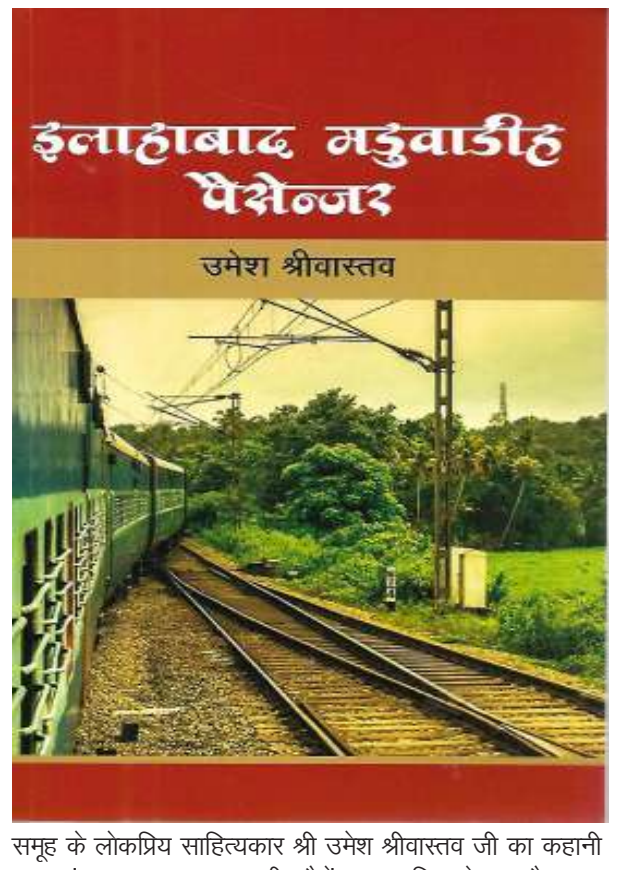




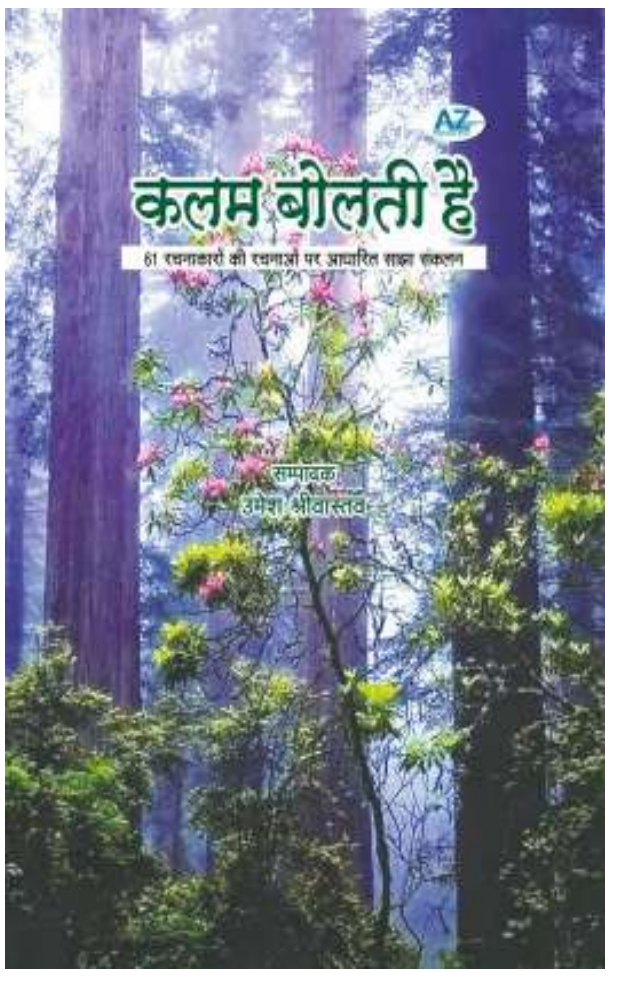


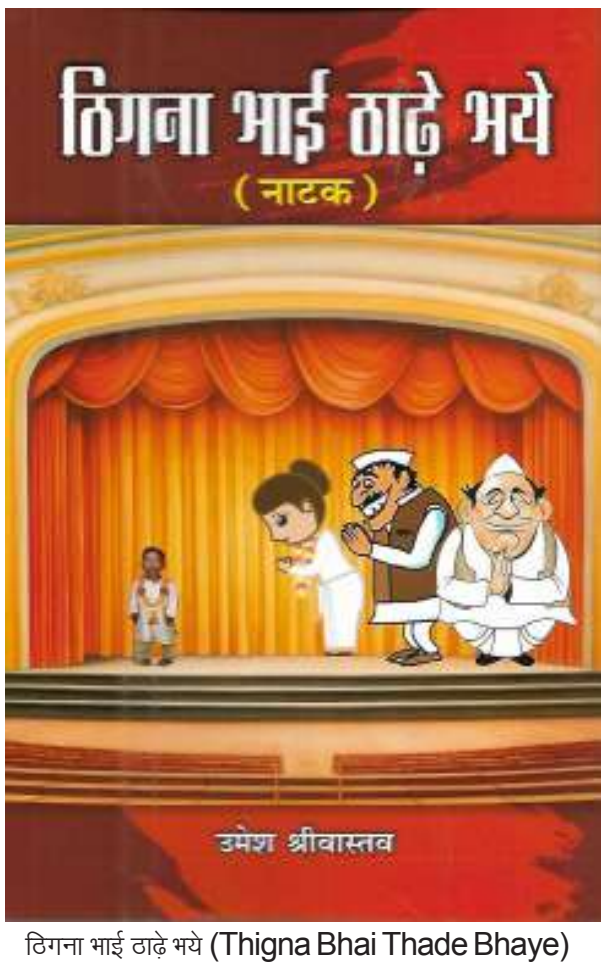
चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित





समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।





ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

सीओपी31 के मुख्य एजेंडे से बाहर हुआ हिमालय का मुद्दा, नेपाल के विदेश मंत्री ने जताई निराशा

अंताल्या (तुर्किये)। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी31) की औपचारिक सूची में नेपाल, भूटान और किर्गिस्तान की ओर से प्रस्तावित हिमालय संबंधी मुद्दे को जगह नहीं मिल सकी और इसकी प्रमुख वजह कई बड़े वैश्विक समूहों का इस प्रस्ताव के समर्थन में आगे नहीं आना रहा। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने मंगलवार को सीओपी31 के दौरान 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत में कहा कि प्रमुख देशों का समर्थन नहीं मिलने के कारण इन तीनों देशों के लिए इस मुद्दे को औपचारिक मान्यता दिलाना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने बताया कि सोमवार को पेश किए गए इस प्रस्ताव का कुछ देशों ने खुलकर समर्थन किया, जबकि कुछ अन्य देश इसे आगे बढ़ाने को लेकर अनिच्छुक नजर आए। खनाल ने कहा, ''यह एक व्यापक वार्ता का हिस्सा है। कई प्रमुख समूहों का समर्थन नहीं मिलने के कारण इस मुद्दे को कार्यसूची में शामिल कराना मुश्किल हो गया। हमने अपनी ओर से पूरी कोशिश की, लेकिन बैठक में अलग–अलग विचार सामने आए। कुछ देशों ने हमारे प्रस्ताव का खुलकर समर्थन किया, जबकि कुछ इसे लेकर काफी हिचकिचा रहे थे।'' चर्चा के बारे में जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि जब तीनों देशों ने औपचारिक रूप से यह प्रस्ताव रखा, तो विकसित देशों ने इसमें कोई खास रुचि नहीं दिखाई। नाम जाहिर न करने की शर्त पर सूत्र ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''हिमालय पर केंद्रित इस प्रस्ताव को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया और यूरोपीय संघ ने इसमें बिल्कुल भी रुचि नहीं दिखाई। हालांकि, यह मुद्दा पूरी तरह से चर्चा से बाहर नहीं हुआ है। इस पर जल्द ही उच्चस्तरीय वार्ता होने की उम्मीद है।'' सूत्र ने यह भी बताया कि प्रस्ताव पेश किए जाने पर विकासशील देशों ने न तो कोई आपत्ति जताई और न ही इसे आगे बढ़ने से रोका। यह पूछे जाने पर कि किन देशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, खनाल ने कहा कि कई अल्पविकसित देशों और पर्वतीय देशों का रुख सकारात्मक था, जबकि विकसित देश नई कार्यसूची को अपनाने के प्रति अनिच्छुक नजर आए। नेपाल सरकार के अनुसार, सीओपी31 के आगामी सत्रों में इस विषय पर शोध संबंधी संवाद आयोजित होने की उम्मीद है। सम्मेलन की अध्यक्षता करने वाले देश ने यह आश्वासन भी दिया है कि पर्वतीय क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को हल करने वाला एक अंतिम दस्तावेज सम्मेलन के निष्कर्षों में शामिल किया जाएगा। खनाल ने कहा, ''पहले की तुलना में अब हमें स्थिति अधिक सकारात्मक लग रही है, क्योंकि वैश्विक समुदाय पर्वतीय क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को तेजी से मुख्यधारा की चर्चा में शामिल कर रहा है। इन मुद्दों के महत्व को समझा जा रहा है। हम जिस मुकाम तक पहुंचना चाहते हैं, वहां पहुंचने में कुछ समय लग सकता है, लेकिन हमें लगता है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'' यह पूछे जाने पर कि नेपाल अपने प्रस्ताव में वैश्विक तापमान वृद्धि के 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार करने के प्रभावों पर जोर क्यों दे रहा है, खनाल ने कहा कि इस सीमा तक तापमान पहुंचने के परिणामों को समझना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि शुरुआती संकेतों से पता चलता है कि नेपाल की सीमा से लगे क्षेत्र में हाल में पहाड़ों के ढहने की घटना का संबंध पिछले कुछ महीनों के दौरान तापमान में लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से हो सकता है। खनाल ने कहा कि नेपाली प्रतिनिधिमंडल सीओपी31 में मुख्य रूप से दो तरह की सहायता मांग रहा है।

लाइबेरिया के कच्चे तेल के पोत 'एमटी फुजैराह एनर्जी' पर मिसाइल स्ट्राइक, 6 भारतीय चालक दल शामिल

मध्य पूर्व और फारस की खाड़ी के रणनीतिक समुद्री मार्गों पर एक बार फिर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। हाल ही में एक बड़ी घटना सामने आई है, जिसमें कच्चे तेल का परिवहन करने वाले एक अति विशाल पोत को निशाना बनाया गया है। केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को जानकारी दी कि लाइबेरिया के ध्वज वाले तेल टैंकर 'एमटी फुजैराह एनर्जी' पर एक प्रक्षेपास्त्र से हमला किया गया है। इस खतरनाक हमले के समय जहाज पर कुल छह भारतीय नागरिक भी चालक दल के सदस्य के रूप में सवार थे। सोनोवाल ने बताया कि 'एमटी फुजैराह एनर्जी' पर 10 नवंबर को उस समय हमला हुआ, जब यह अल रुवैस से दुबई जा रहा था। मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि हमले में चालक दल के चार सदस्य घायल हुए, जिनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। उन्होंने बताया कि भारतीय नागरिक को मामूली चोटें आई हैं और उसे आगे की चिकित्सकीय जांच के लिए तट पर सुरक्षित पहुंचा दिया गया है। उन्होंने कहा, ''पांच अन्य भारतीयों समेत चालक दल के शेष 18 सदस्य सुरक्षित हैं और सभी का पता लगा लिया गया है।'' सोनोवाल ने कहा, ''हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और अपने नाविकों की सुरक्षा, चिकित्सा देखभाल तथा कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिए जहाज का प्रबंधन करने वाली कंपनी के साथ लगातार संपर्क में हैं।''

फारस की खाड़ी और उसके आसपास के समुद्री मार्ग (जैसे होर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी) वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति (ळसवइंस म्दमतहलै नचचसल) के लिए दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण धमनियों में गिने जाते हैं। दुनिया का एक बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के लिए इसी रूट पर निर्भर है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में जहाजों पर इस तरह के हमलों ने कमर्शियल शिपिंग और नाविकों के जीवन पर बड़ा संकट खड़ा किया है।

अमेरिका में वीभत्स हत्याकांड: पत्नी की हत्या कर आरी से शव के टुकड़े करने वाला नेपाली-अमेरिकी नरेश भट्ट दोषी करार



अमेरिका की एक अदालत में न्याय की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया गया है। नेपाली–मूल के अमेरिकी नागरिक नरेश भट्ट को अपनी ही पत्नी की निर्मम हत्या और साक्ष्य छिपाने के जुर्म में अदालत ने श्फर्स्ट–डिग्री मर्डरश (प्रथम श्रेणी की हत्या) का गंभीर दोषी ठहराया है। अदालत में सुनवाई के दौरान नरेश भट्ट ने खुद यह चौंकाने वाला और दहला देने वालाबयान दिया था कि उसने अपनी पत्नी के शरीर को आरी से काटकर ठिकाने लगाया था। हालांकि, उसने यह मनगढ़ंत दावा भी किया था कि उसकी पत्नी ने आत्महत्या की थी और घबराहट में उसने शव के टुकड़े किए। लेकिन जूरी ने उसके इस झूठे तर्क को सिरे से खारिज कर दिया। विडंबना यह है कि मृतका का शव आज तक बरामद नहीं किया जा सका है। जूरी ने 39 वर्षीय नरेश भट्ट को दो अन्य आरोपों में भी दोषी पाया, जिनमें अपनी पत्नी के शव को छिपाना और उसके साथ छेड़छाड़ करना शामिल है। इस फैसले के साथ ही दो साल से चल रहा यह मामला अब खत्म हो गया है। जज ने नरेश भट्ट की जमानत रद्द कर दी है और 12 मार्च को उसे सजा सुनाई जाएगी। उसे उम्रकैद की सजा हो सकती है, साथ ही शव के साथ छेड़छाड़ के हर आरोप के लिए 5–5 साल की अतिरिक्त सजा भी मिल सकती है। जूरी ने एक महीने से अधिक समय तक कई गवाहों के बयान सुने। इनमें ममता कफ्ले की मां गीता और भाई महेश शामिल थे, जिन्होंने एक अनुवादक के जरिए अपनी गवाही दी। पीड़िता की करीबी दोस्त और सहकर्मी, सुनीता बस्नेत ने भी अदालत में गवाही दी। फैसला सुनाए जाते समय नरेश भट्ट के चेहरे पर कोई भाव नहीं था; उसने बस कुछ पल के लिए अपने वकील से बात की। ममता कफ्ले के परिवार वाले एक–दूसरे को गले लगाते दिखे और उनमें से एक ने सरकारी वकील (प्रॉसिक्यूटर) को धन्यवाद दिया। अपनी गवाही के दौरान, नरेश भट्ट ने दावा किया कि 29 जुलाई 2024 को वह रात करीब 8 बजे अपनी छोटी बेटी के साथ सोने चला गया था। उसकी पत्नी ऊपर नहीं आई थी। सुबह करीब 4 बजे, जब वह टॉयलेट जाने के लिए उठा, तो उसे घर में एक अजीब सी गंध आई। उसने दावा किया कि जब वह बेडरूम में वापस लौटा, तो उसने देखा कि ममता कफ्ले बिस्तर के निचले हिस्से की तरफ पीठ के बल लेटी हुई थी। उसके चारों ओर उल्टी पड़ी थी, जिसमें कुछ गोलियां और खून था। पास ही श्सेल्फोसश (ब्मसचीवे) का एक खुला पैकेट भी पड़ा था, जो एक बेहद जहरीला कीटनाशक है। उसने गवाही दी कि उसने लगभग एक घंटे तक उसे होश में लाने की कोशिश की, और जब उसे एहसास हुआ कि उसकी मौत हो चुकी है, तो वह उसके शव को बाथरूम में ले गया। 39 वर्षीय व्यक्ति ने बताया कि वह घबरा गया था और उसे बहुत डर लग रहा था। जब अदालत में नरेश भट्ट से पूछा गया कि उसने 911 पर कॉल क्यों नहीं किया, तो उसने कहा, ष्मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसा क्यों नहीं किया। मैंने कॉल करने की कोशिश की थी। मैं बहुत डरा हुआ था। पता नहीं क्यों, मुझ पर कुछ हावी हो गया था। मैं बहुत ज़्यादा घबरा गया था। मुझे नहीं पता।

कौन थीं ममता कफ्ले भट्ट? और कैसे खुला राज?

28 वर्षीय ममता कफ्ले भट्ट अमेरिका के वर्जीनिया राज्य के मनासास (डंदें) स्थित एक प्रतिष्ठित मेडिकल सेंटर में रजिस्टर्ड नर्स (त्महपेजमतमक छनतेम) के रूप में सेवारत थीं। अपनी मेहनत और शालीन स्वभाव के कारण वह अपने कार्यक्षेत्र और दोस्तों के बीच काफी लोकप्रिय थीं। घटना की उस मनहूस रात के बाद, उनके पति नरेश ने शुरुआत में ऐसा नाटक किया मानो उसे कुछ पता ही न हो। उसने पुलिस और स्थानीय मीडिया को यह झूठी कहानी सुनाई कि उसने ममता को आखिरी बार अपने साथ डिनर टेबल पर देखा था और उसके बाद वह गायब हो गई। उसने खुद ही थाने जाकर उनके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। लेकिन ममता के परिवार और सहयोगियों को उसकी यह कहानी शुरू से ही संदिग्ध और पचने योग्य नहीं लगी, खासकर इसलिए क्योंकि ममता और नरेश की नन्ही बेटी का पहला जन्मदिन आने में अब केवल कुछ ही हफ्ते बचे थे। एक मां अपनी बच्ची को छोड़कर अपनी मर्जी से कभी दूर नहीं जा सकती थी। इस संदेह के आधार पर जब पुलिस ने गहराई से जांच शुरू की, तो कड़ियों से कड़ियां जुड़ती चली गईं और अंततः नरेश भट्ट की घिनौनी करतूत और उसके द्वारा किए गए कत्ल का पर्दाफाश हो गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

ग्रीनलैंड में तेजी से पिघलती बर्फ के बीच शुरू हुई 'मैपिंग मेमोरीज' परियोजना



जलवायु परिवर्तन के कारण ग्रीनलैंड में तेजी से पिघलती बर्फ और बदलते प्राकृतिक परिवेश के बीच लोगों की यादों, अनुभवों और परंपराओं को सहेजने के लिए 'मैपिंग मेमोरीज' नामक एक परियोजना शुरू की गई है, ताकि भावी पीढ़ियों के लिए इनका रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जा सके। तेल, गैस और कोयले के जलने से बढ़ रहे जलवायु परिवर्तन के कारण आर्कटिक क्षेत्र का तापमान दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में चार गुना तेजी से बढ़ रहा है। इस सप्ताह तुर्किये में संयुक्त राष्ट्र का वार्षिक सम्मेलन शुरू हो रहा है, जिसमें जलवायु परिवर्तन प्रमुख मुद्दा है। जलवायु परिवर्तन से ग्रीनलैंड बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। ग्रीनलैंड के पश्चिमी तट पर स्थित इलुलिसैट में गाड़ी चलाते हुए 42 वर्षीय जेन्सन कहा, ''जब हम बच्चे थे और अपने परिवार के साथ या कुछ पक्षियों के शिकार के लिए पहाड़ियों पर जाते थे, तब हमें विशाल हिमखंड दिखाई देते थे लेकिन आज जब हम आसपास के नजारे देखते हैं, तो कुछ हिमखंड तो नजर आते हैं, लेकिन वे पहले जितने ऊंचे और बड़े नहीं हैं।'' जेन्सन की यादें स्वीडन स्थित शोध संस्थान 'नॉर्डरेजियो' की अगुवाई में शुरू की गई 'मैपिंग मेमोरीज' परियोजना का हिस्सा हैं। इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से बदलते ग्रीनलैंड के अतीत और लोगों के अनुभवों को सहेजना है। इस परियोजना से जुड़ी एक प्रदर्शनी सितंबर में इलुलिसैट के 'आइसफियोर्ड सेंटर' में शुरू हुई। केंद्र के निदेशक कार्ल सैंडग्रीन ने कहा कि आम लोगों के अनुभवों को दर्ज करना जरूरी है, क्योंकि उनके गुजर जाने के साथ उनकी कहानियां भी खत्म हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों के अध्ययन के साथ–साथ जलवायु परिवर्तन को समझने के लिए आम लोगों का नजरिया भी महत्वपूर्ण है। तीन बच्चों के पिता और जेल विभाग में कार्यरत जेन्सन को डर है कि उनके बच्चे उन अनुभवों से वंचित रह जाएंगे, जो उन्होंने बचपन में हासिल किए थे। उन्होंने बताया कि पहले पहाड़ियों पर अधिक बर्फ होती थी और पानी जम जाता था, जिससे लोग बर्फ पर जाकर मछली पकड़ सकते थे, लेकिन अब ऐसा संभव नहीं है। 'मैपिंग मेमोरीज' परियोजना के तहत अब तक ग्रीनलैंड के अलग–अलग स्थानों से जुड़ी करीब 60 लोगों की कहानियां दर्ज की गई हैं। इनमें पर्माफ्रॉस्ट (स्थायी रूप से जमी जमीन) पिघलने से खतरे में पड़े घरों, बदलते मौसम और लुप्त होती शिकार परंपराओं का जिक्र है। समुद्री बर्फ पतली होने से शिकारी, कुत्तों द्वारा खींची जाने वाली स्लेज गाड़ी से यात्रा नहीं कर पा रहे। वहीं, पारंपरिक मछुआरों के लिए समुद्र की स्थिति का अनुमान लगाना मुश्किल हो रहा है। मछुआरिन करेन अलाउफेसेन ने बताया कि उनके पति और बेटे के साथ जिस जगह वह हलिबट मछली पकड़ती हैं, वहां इसकी संख्या घट रही है। इलुलिसैट में पर्माफ्रॉस्ट पिघलने से इमारतें धंस रही हैं और सड़कों एवं पाइपों में दरारें पड़ रही हैं। बर्फ पिघलने से करीब चार हजार साल पुराने शिकार के औजारों सहित पुरातात्विक अवशेष भी सामने आ रहे हैं। यूनेस्को के अनुसार, इलुलिसैट के पास स्थित सर्मेक कुजालेक हिमनद अंटार्कटिका के बाहर समुद्र में सबसे अधिक हिमखंड भेजने वाला हिमनद है। नासा के मुताबिक, तापमान बढ़ने के कारण यह तेजी से पिघल रहा है और बर्फ के बड़े टुकड़े समुद्र में गिर रहे हैं, जिससे समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सितंबर में जारी रिपोर्ट के अनुसार, ग्रीनलैंड की 17 लाख वर्ग किलोमीटर में फैली बर्फ की चादर लगातार 30 वर्ष से जितनी बर्फ जमा कर रही है, उससे अधिक खो रही है। यह चादर द्वीप के करीब 80 प्रतिशत हिस्से को ढकती है। सर्वेक्षण की वरिष्ठ शोधकर्ता सिग्ने हिलेरुप लार्सन ने कहा कि बर्फ की चादर के अपने खोए हुए हिस्से को दोबारा हासिल करने की कोई संभावना नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि बर्फ पिघलने की रफ्तार धीमी होना भी पर्याप्त नहीं होगा।

शेख हसीना को फांसी से बचाने के लिए ब्रिटेन के सांसद ने विदेश मंत्री को लिखा पत्र

लंदन। ब्रिटेन के छह सांसदों ने विदेश मंत्री एड मिलिबैंड को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के ढाका लौटने की स्थिति में उन्हें मौत की सजा से बचाने के लिए सुरक्षा संबंधी आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने की दिशा में समन्वित कूटनीतिक प्रयास किए जाएं। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) को 27 अक्टूबर को भेजे गए पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में 'हाउस ऑफ कॉमन्स' (ब्रिटिश संसद का निचला सदन) में कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य बॉब ब्लैकमैन, 'डेमोक्रेटिक यूनियनिस्ट पार्टी' (डीयूपी) के सदस्य जिम शैनन और स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) के सदस्य सीमस लोगन शामिल हैं। इसके अलावा, स्कॉटलैंड की संसद के तीन सदस्यों मार्टिन डे, पॉल मैक्लेनन और एलन ब्राउन तथा यूरोपीय संसद के पूर्व सदस्य डॉ. चार्ल्स टैनॉक ने भी इस पत्र पर दस्तखत किए हैं। पत्र के हस्ताक्षरकर्ताओं ने ''संबंधित अधिकारियों से स्पष्ट लिखित आश्वासन देने का आग्रह किया है कि शेख हसीना को फांसी नहीं दी जाएगी और इस आश्वासन को लागू करने के लिए आवश्यक कानूनी उपाय भी किए जाएंगे।'' सांसदों ने कहा है, "हमारी मुख्य चिंता यह है कि आपराधिक न्याय प्रणाली का इस्तेमाल राजनीतिक संघर्ष को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।" उन्होंने लिखा है, "शेख हसीना के खिलाफ लगे गंभीर आरोपों की स्वतंत्र जांच और निष्पक्ष सुनवाई होनी चाहिए। इनका इस्तेमाल प्रतिशोध लेने या राजनीतिक विरोधियों को बाहर करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।" सांसदों ने विदेश मंत्री से चार प्राथमिकताओं से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व करने का आग्रह किया है, जिनमें हसीना को फांसी और अन्य गंभीर नुकसान से सुरक्षा; आरोपों की स्वतंत्र जांच एवं प्रभावी कानूनी उपाय; अंतरराष्ट्रीय निगरानी और मध्यस्थता एवं राजनीतिक सुलह के लिए समर्थन



शामिल है। यह पत्र ऐसे समय में सामने आया है, जब लंदन की एक विधि कंपनी के नयी दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग से संपर्क कर हसीना के लिए नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचानपत्र जारी करने का अनुरोध किए जाने की खबरें सामने आई हैं। हसीना (79) ने दिसंबर में बांग्लादेश लौटने और कानूनी कार्यवाही का सामना करने की इच्छा जताई है। वह अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर हुए विरोध–प्रदर्शनों के बीच अपनी अवामी लीग सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश छोड़ भारत आ गई थीं और तभी से भारत में रह रही हैं। हसीना को बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों पर बर्बर कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामले में उनकी गैरमौजूदगी में मौत की सजा सुनाई गई थी।

ब्रिटेन के आरएएफ फेयरफोर्ड बेस पर हमले की साजिश, अमेरिका में तीन लोगों पर आरोप

अमेरिकी प्राधिकारियों ने यूरोप एवं अमेरिका में यहूदी समुदायों और ब्रिटेन के सैन्य अड्डे आरएएफ फेयरफोर्ड को निशाना बनाकर करीब 20 आतंकवादी हमले करने की साजिश रचने के आरोप में मंगलवार को तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। मैनहट्टन की संघीय अदालत में मंगलवार को सार्वजनिक किए गए अभियोग पत्र में ईरान और इराक की दोहरी नागरिकता रखने वाले मोहम्मद बाकिर साद दाऊद अल–सादी, ईरानी नागरिक मोहसिन मोहाजेरी और इराकी नागरिक मोहम्मद अली अल–हसानी के खिलाफ आरोपों का विवरण दिया गया है। न्यूयॉर्क में अमेरिकी अटॉर्नी जेमी मैकडोनाल्ड ने एक बयान में कहा कि मई में गिरफ्तार किए जाने के बावजूद अल–सादी सितंबर में ब्रिटेन के फेयरफोर्ड स्थित रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) अड्डे पर आतंकवादी हमले की कोशिश से पहले तक अपने सह–आरोपियों के साथ मिलकर साजिश रचता रहा। इस सैन्य अड्डे पर अमेरिकी बमवर्षक विमान और सैनिक तैनात थे। नए अभियोग पत्र से उस घटना के बारे में नयी जानकारी सामने आई है, जो एक महीने से अधिक समय तक रहस्य बनी रही थी। पश्चिमी इंग्लैंड में स्थित इस सैन्य अड्डे की ओर 27 सितंबर को आधी रात के बाद तीन संदिग्ध वैन जाती देखी गई थीं, जिसके बाद विस्फोटकों और आतंकवाद से संबंधित अपराधों के संदेह में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया था। इन गिरफ्तारियों के बाद अमेरिकी सेना ने वहां तैनात अपने बमवर्षक विमानों को वापस बुला लिया था और उन्हें अमेरिका में उनके मूल सैन्य अड्डों पर फिर से तैनात कर दिया गया था। अभियोग पत्र के अनुसार, अमेरिका के न्यूयॉर्क में आतंकवाद के आरोप में जेल में बंद अल–सादी ने ब्रिटेन के हवाई अड्डे पर हमले की योजना बना रहे ईरानी एजेंटों तक गुप्त संदेश पहुंचाए थे। अभियोजकों के अनुसार, अल–सादी ने इराक में अपनी मां और बहन से फोन तथा वीडियो कॉल पर बातचीत के दौरान सांकेतिक भाषा का इस्तेमाल कर अपने सहयोगियों तक संदेश पहुंचाए और उन्हें हवाई अड्डे पर बम हमला करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मामले में दो अन्य लोगों के खिलाफ भी आरोप तय किए गए हैं। मामले में ईरान समर्थित एजेंटों पर यूरोप और अमेरिका में यहूदी समुदायों को निशाना बनाकर करीब 20 आतंकवादी हमलों की साजिश रचने का आरोप है। दो अन्य आरोपी मोहाजेरी और अल–हसानी फिलहाल अमेरिकी हिरासत में नहीं है।

तुर्किये में कॉप–31 जलवायु सम्मेलन शुरू, ठोस कदमों पर विश्व नेताओं की नजर

संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में बुधवार से विश्व के नेता औपचारिक वार्ता शुरू करेंगे। इस बैठक का उद्देश्य 'ग्लोबल वार्मिंग' यानी धरती के बढ़ते तापमान को रोकने के लिए ठोस कदमों पर सहमति बनाना है। यह सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब बीते एक साल में दुनिया के कई हिस्सों में भीषण बाढ़, लू और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी अन्य प्राकृतिक आपदाओं ने भारी तबाही मचाई है। हालांकि, कॉप–31 सम्मेलन से क्या हासिल होगा और यहां लिए गए फैसलों पर कितना अमल हो पाएगा, यह समय ही बताएगा। इससे पहले हुए जलवायु सम्मेलनों में भी कई बड़े वादे किए गए, लेकिन उन्हें पूरा करने की दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

